



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 26, 1974 (कार्तिक 4, 1896)

No. 43]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 26, 1974 (KARTIKA 4, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, मियंत्रक और महालेख परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1974

सं० 32013/1/74-प्रशासन-1 संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पी० विज को राष्ट्रपति द्वारा 4-9-1974 से 3-12-1974 तक तीन महीने की अवधि के लिए अथवा किसी नियमित अधिकारी के कार्य ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I— संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० कंसवानी को, राष्ट्रपति द्वारा 6-9-1974 से 5-12-1974 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के आने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I— संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर को, राष्ट्रपति द्वारा 11-9-74 से 10-12-74 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के आने तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

नई दिल्ली दिनांक 20 सितम्बर, 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I— संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी

अधिकारी श्री जी० पी० विज ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन I दिनांक 10 जुलाई, 1974, द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में तथा संघ लोक सेवा आयोग में अवसर सचिव के पद पर स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 23 अगस्त, 1974 के पूर्वान्त में अवसर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2 अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री जी० पी० विज ने 23 अगस्त, 1974 के पूर्वान्त से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सभाल लिया।

दिनांक 30 सितम्बर 1974

सं० 32013/1/74-प्रशा०-I— संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० कंसवानी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन I दिनांक 22 जुलाई उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 4 सितम्बर, 1974 के अग्रान्त से अवसर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2 अपने प्रत्यावर्तन के बाद कुमारी एस० टी० कंसवानी ने 4 सितम्बर, 1974 के अग्रान्त से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार पुनः सभाल लिया।

एस० आर० भागवत

अवर सचिव

प्रशासन प्रभारी

संघ लोक सेवा आयोग

सं ए० 32013/1/74- प्रशा० I—सघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं ए० 32013/1/74- प्रशा० I दिनांक 15 जुलाई, 1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था 9 सितम्बर, 1974 के अपराह्न में सघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2 अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर के 9 सितम्बर, 1974 के अपराह्न में सघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सभाल लिया।

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1974

सं बी-31/66-प्रशासन-5— श्री बी० एन० नेगी, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 21-12-73 (अपराह्न) को पेरिस में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक 26-12-73 (पूर्वाह्न) को चंडीगढ़ में पुलिस अधीक्षक विशेष जाच एजेंसी, हरियाणा के पद का कार्यभार सभाला।

सं एम०-12/70-प्रशासन-5— प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री एम० के० दुआ, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 30-4-1974 (अपराह्न) में दिल्ली पुलिस को वापस सौंप दी गई।

स पी० एफ०/के०-3/69- प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री कृष्णेश्वर दयाल, लोका-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना पटना को दिनांक 8 जुलाई 1974 के अपराह्न में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से प्रोन्नति पर वरिष्ठ लोका-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स महामिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1974

सं 0-II-9/74- ईस्ट—राष्ट्रपति श्री आई० एम० महाजन, मणीपुर और त्रिपुरा सवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस में उनकी प्रति नियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्ति करते हैं।

उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के उप महानिरीक्षक (हेडक्वार्टर्स) महानिरीक्षक सेक्टर 2, कलकत्ता के कार्यालय में, के पद का कार्यभार 15 अप्रैल 1974 के पूर्वाह्न से सभाला।

एस० एन० भाथुर
महायक निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय, भारत के महापञ्जीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 अक्टूबर 1974

सं 25/26/74- आर० जी० (ए० डी०-I)—राष्ट्रपति श्री एस० लीपा आयर, को जो नागालैण्ड असैनिक सेवा (श्रेणी I) कनिष्ठ वर्ग के अधिकारी हैं, दिनांक 9 मई, 1974 से अगले आदेश प्रेषित होने तक नागालैण्ड के उप जनगणना निदेशक के पद पर अस्थायी रूप से सहेष नियुक्त करते हैं।

श्री आयर का मुख्य कार्यालय कोहिमा में होगा।

बद्री नाथ
उप महापञ्जीकार एवं पदेन उप सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश

महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पि० कोटेश्वर राव को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-8-74 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर० सुन्दर राजन को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 830-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-8-74 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के० ठानियल पुरुषोत्तम को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-8-74 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री टि० मि० सम्पत्तकुमारन को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय

में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-8-74 के पूर्वान्त से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० नागाराजन,
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन),

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा
विविध,

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1974

सं० प्रशासन-1/188—इस संगठन के निम्नलिखित लेखा-
धिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तिथि से लेखाधिकारी
संवर्ग में मौलिक स्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है :—

| क्रम सं० | नाम | मौलिक रूप से नियुक्ति की तिथि | के स्थान पर |
|---------------------|---------|--------------------------------------------------------------------------|-------------|
| सर्वश्री | | | |
| 1. बी० एस० खेल्लापा | 16-3-73 | श्री एच० सी० पाण्डे के भारग पप्पम में स्थाई समावेशन होने पर। | |
| 2. जगजीत सिंह | 1-3-74 | श्री बाई० पी० आनन्द के सेवा निवृत्त होने पर। | |
| 3. टी० सी० गुप्ता | 1-4-74 | श्री एच० एल० धापर के स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने पर। | |
| 4. रणजीत सिंह | 1-5-74 | श्री के० एन० कोहली के सेवा निवृत्त होने पर। | |

2. इस संगठन के निम्न लेखाधिकारियों की पुष्टि तिथियों
को प्रत्येक के सामने दिखाई गई तिथियों के अनुसार पूर्व दिनांकित
किया जाता है :—

| क्र० सं० | नाम | पहली पुष्टि तिथि | पुष्टि की परिशोधित तिथि | के स्थान पर |
|----------------------|---------|---------------------|---------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| सर्वश्री | | | | |
| 1. एस० पद्म- नाभन | 1-12-71 | 1-9-71 | श्री एच० जी० भाटिया के सीमेंट कारपोरेशन में स्थायी समावेशन होने पर। | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-------------------------|---------|---------|--------------------------------------------------------------|-----|
| 2. के० सी० कोशी | 1-1-72 | 1-12-71 | श्री पद्मानाभन की पुष्टि तिथि के परिशोधन पर। | |
| 3. यू० एस० गुप्ता | 4-11-72 | 1-1-72 | श्री के० सी० कोशी की पुष्टि तिथि के परिशोधन पर। | |
| 4. ए० के० सेन गुप्ता | 21-6-73 | 4-11-72 | श्री यू० एस० गुप्ता की पुष्टि तिथि के परिशो- धन पर। | |

ग० न० पाठक,

महालेखाकार,

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध।

कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश-एक

खालियर, दिनांक 21 सितम्बर 1974

सं० प्रशासन एक/2165—महालेखाकार कार्यालय मध्य-
प्रदेश-एक, खालियर, के स्थायी लेखा अधिकारी श्री जी० आर०
काटे को अधिवाधिकी की आयु दिनांक 19-11-74 को हो जाने
पर दिनांक 30 नवम्बर, 1974 को अपराह्न में शासकीय सेवा
से निवृत्ति होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

माया सिंह,

एम० एम० नरसिहानी,

उप महालेखाकार (प्रशासन)

भारतीय आईनेन्स फंडरियां सेवा

महानिदेशालय, आईनेन्स फंडरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 23 सितम्बर 1974

सं० 40/74/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री बी० बी०
सूबेदार स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमेन) दिनांक
31 जुलाई, 1974 (अपराह्न) में सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 27 सितम्बर 1974

सं० 43/74/जी०—राष्ट्रपति ने, श्री एन० आर० महन्ती,
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी सहायक प्रबन्धक) का त्यागपत्र
दिनांक 25 जून, 1971 से स्वीकृत किया।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आईनेन्स फंडरियां।

कलकत्ता, दिनांक 24 सितम्बर 1974

सं० 1/74/ए० एम०—अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अधि-
कारियों को उनके सामने दर्शायी गई तारीख में, आगामी आदेश न
होने तक नियुक्त करते हैं :—

| क्र० | नाम एवं पद | नियुक्ति स्थान | तारीख |
|------|-----------------------------------------------|----------------------------------|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | डा० (श्रीमती) छवि राय (साहा) अस्थायी सहायक | मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर। | 1-8-73 |
| 2 | डा० (श्रीमती) गोपा भट्टाचार्या, अस्थायी सहायक | गन एण्ड शेल फैक्टरी, काशीपुर। | 14-9-73 |
| | यक मर्जन ग्रेड-1। | | |
| 3 | डा० एच० एन० दवे अस्थायी सहायक | आइर्नेल्स फैक्टरी, कटनी। | 20-9-73 |
| | ग्रेड-1। | | |
| 4 | डा० नूरुल अमीन, अस्थायी सहायक | वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर। | 24-9-74 |
| | मर्जन, ग्रेड-1। | | |
| 5 | डा० (कुमारी) एम०एम० अग्रवाल अस्थायी सहायक | आइर्नेल्स फैक्टरी, भुसावल। | 6-12-73 |
| | मर्जन, ग्रेड-1। | | |

आर० एम० मजूमदार,
महानिदेशक, आइर्नेल्स फैक्टरिया।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 सितम्बर 1974

स० 17/42/49-मिबन्दी-1—श्री एल० टी० फर्नान्डीस स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक बम्बई के पद पर नियुक्त हुए थे, दिनांक 7-9-74 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग बम्बई में ही विज्ञेता के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

एम० के० जैन,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता।

आकाशवाणी महानिदेशालय

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1974

स० ए० 35017/1/73-मि० नि०-एक—महानिदेशक आकाशवाणी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर (सिविल) श्री ओ० पी० गर्ग को आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में रु० 650-1200 के ग्रेड में सहायक इंजीनियर (सिविल) के पद पर 17-9-74 (दोपहर बाद) में प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं। श्री ओ० पी० गर्ग को सिविल निर्माण स्कंध के मुख्यालय में सहायक सर्वेक्षण (निर्माण) के रूप में तैनात किया जाता है।

पी० ए० सोलोमन,
मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियर अधिकारी
कृते महानिदेशक।

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1974

स० ए० 30014/8/70-एम० छ—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एच० एन० पैट्रो, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पासीघाट को 24 अगस्त, 1967 से उस पर पद पर स्थायित्व पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशामन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

स० 12-34/73-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० प्रथम ग्रेड के अधिकारी डा० जे० के० गुहा ने 8 अगस्त, 1974 अपराह्न को पत्तन स्वास्थ्य सगठन, कोचीन में उप-पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार सभाल लिया।

जी० पचापकेशन,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 1974

स० 49-2/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी न श्री एम० ए० सम्पथ कुमारन, को 20 अगस्त, 1971 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1974

स० 1-83/74-ईस्ट-1—डा० अशोक कास्तीवाल ने अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1974 अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन बरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

स० 1-92/74-ईस्ट-1—डा० (श्रीमती) एस० पी० बस्सी ने अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 10 जुलाई, 1974 को अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

स० 1-36/74-ईस्ट-1—अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप डा० लक्ष्मण दाम ने 3 दिसम्बर, 1973 अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अन्तर्गत

कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 1-105/74-इस्ट-1—डा० दिवाकर मोहन ने अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 24 अगस्त, 1974 को अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

के० वेनुगोपाल,
उप-निदेशक प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 34-12/73-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के अधिकारी डा० वाई० के० रस्तोगी ने अपने स्थानांतरण के फलस्वरूप 17 जुलाई, 1974 अपराह्न में विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया और 18 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 34-34/74-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के अधिकारी डा० पी० के० चावला ने अपने स्थानांतरण के फलस्वरूप 3 सितम्बर, 1974 अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया और 4 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न में सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

जी० पंचापकेशन,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110011, दिनांक

सं० 12-1/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी सर्वश्री बी० एस० पुरी और के० शेषाद्रि आयरंगर, अधिवाषिकी वय की प्राप्ति पर, 30 सितम्बर, 1974 अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गये।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 की (इन्जी० शाखा) के ग्रेड III का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र०-6/247(309)61-II—श्री वाई० के० भुचर का सेवा से त्यागपत्र स्वीकृत हो जाने पर उन्होंने दिनांक 10 अप्रैल, 1974 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्य कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 (इन्जी० शाखा) के ग्रेड-3 का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र०-6/247(176)/69/3—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली श्री पी० एल० कथूरिया, दिनांक 31 अगस्त, 1974 के अपराह्न से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 3 अक्टूबर 1974

सं० ए० 17011(73)/7, प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, उत्तरी निरीक्षण मण्डल में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री राजेन्द्र सिंह को दिनांक 6-9-74 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों के जारी होने तक बम्बई निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पदपर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कुण्ण जोशी,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1974

सं० ए० 17011(72)/74-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में भण्डार परीक्षण श्री जी० गणेशन को दिनांक 5-8-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

अधिसूचना सं० ए० 17011(72)/74-प्र-6, दिनांक 24-8-74 रद्द की जाती है।

श्री कुण्ण जोशी,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

पूर्ति विभाग

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1974

सं० प्र० 6/247(273)/60/11—श्री एस० एन० पालेकर का त्यागपत्र स्वीकृत हो जाने पर उन्होंने दिनांक 31-5-1974 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में निरीक्षण अधिकारी, भारतीय

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक

1974

सं० एफ० 101/28/63-वि० II—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की भारत के राजपत्र दिनांक 31-8-63 को प्रकाशित अधिसूचना (सीमा शुल्क) सं० जी० एस० आर०

1421 के लिए मैं एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से अखरोट साबुत और गिरी या दोनों जिनका श्रेणीकरण, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन निमित्त एवं समय समय पर संशोधित गिरी और साबुत अखरोट श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1963 के उपबन्धों के अनुसार, किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

| नाम | पद |
|---------------------------------------------|----------------------|
| 1. श्री जी० एस० निरंजने | विपणन अधिकारी |
| 2. श्री के० एन० घुगरूडकर | सहायक विपणन अधिकारी। |
| एन० के० मुरलीधर राव, कृषि विपणन सलाहकार, | |

औद्योगिक विकास मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1974

सं० ए०/9018/127/74-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग नयी दिल्ली श्री राम स्वरूप कोहली, मूल-भूत अन्वेषक और लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में स्थाना-पत्र लघु उद्योग संबर्द्धन अधिकारी को, आगामी आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान कानपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड 2) के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री कोहली 6 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड 2) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

के० बी० नारायणन्,
उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग

(जल स्कन्ध)

नई दिल्ली-22, दिनांक अक्टूबर 1974

सं० फ-12017/1/72-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/342/72-प्रशा० 5, दिनांक 5 जुलाई, 1974 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग, एतत् द्वारा श्री टी० पी० येगनन को केन्द्रीय जल और विद्युत-अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (विज्ञान-गणित ग्युप) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में दिनांक 11-9-74 से 31-12-74 की अवधि के लिए अथवा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अपने प्रमाद में निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ रूप में उनके सामने दी गई तिथियों से तीन महीने की अवधि के लिए अथवा जब तक ग्रेड में नियमित अधिकारी उपलब्ध नहीं होते, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।—

- | | |
|---------------------------|---------|
| 1. श्री बी० रामनाथन | 28-8-74 |
| 2. श्री आई० जैड० पूनावाला | 28-8-74 |
| 3. श्रीमति वल्सला कुमारी | 28-8-74 |
| 4. श्री ए० जी० कलि | 28-8-74 |

के० पी० बी० मेनन, अवसर सचिव
इसे अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1974

सं० 5/3/73-इ० सी०-1—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल और विद्युत) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी 1 और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 में 31-12-74 तक या जब तक पद नियमित रूप में भर नहीं लिये जाते, जो भी पहले हो, बिल्कुल तदर्थ और अर्न्ततम आधार पर स्थानापन्न कार्यापालक इंजीनियर (सिविल और विद्युत) बने रहने की अनुमति देते हैं।

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1

सर्वश्री

- डी० डी० मलिक
- बी० पी० गुप्त
- खेम चन्द गेरीयल
- आर० डी० मिस्त्री
- बी० बी० बेंकटधारी
- पी० सी० माथुर
- आर० सी० गोबिल
- (5-8-74 तक जब उनकी मृत्यु हो गई)
- एम० बी० शिवदासनी
- एस० जी० चक्रवर्ती
- कामता प्रसाद
- बी० आर० महाजन
- एम० सी० गोयल-II
- एस० के० लहिरी
- वाई० पी० बहैरा
- वलदेव सूरी
- के० टी० बालासुब्रह्मण्यन
- जसवन्त सिंह

18. एल० पी० मुखर्जी
 19. बी० एम० घोष
 20. जी० जी० घोष
 21. के० के० बरकतकी
 22. सी० आर० दे
 23. सी० आर० पाल
 24. सी० वी० जोशी
 25. के० के० गुप्त
 26. एस० सी० विश्वाम
 27. पी० के० बोस
 28. राधे लाल-1
 29. पी० आर० गर्ग
 30. एस० राममूर्ति
 31. एस० एम० ऐरन
 32. बी० जी० चौधरी
 33. बी० के० कृष्णानी
 34. एस० पी० अरोड़ा
 35. भगवान दास-1
 36. ओ० पी० शर्मा-II
 37. डी० सी० गोयल
 38. डी० के० भीमिक
 39. सी० एस० मूर्ति
 40. एच० के० सचदेव
 41. एस० एन० डण्डोना
 42. आर० एन० गुप्त
 43. ए० सी० भाटिया (26-8-74 तक जब उनकी मृत्यु हो गई)
 44. आर० आर० सिंह
 45. बी० वी० गोयल
 46. पी० पी० गोयल
 47. गुरमेज सिंह
 48. सी० एस० कर्णनई
 49. वी० जी० पालसीकर
 50. एच० एल० खजांची
- केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1
सर्वश्री
1. एन० सी० दत्त गुप्त
 2. पी० सी० घोष
 3. आर० एन० गंगोली
 4. डी० आर० खन्ना
 5. विश्वनाथ सिंह
 6. ए० के० दत्त
 7. पी० ए० चावला
 8. ड० के० विश्वनाथन
 9. जे० चक्रवर्ती
 10. वी० के० मूद

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1974

सं० 33/7/71-प्रशा० 4—राष्ट्रपति श्री टी० के० सिन्हा को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-दक्षता-रोध-40-1100-50-1300 के ग्रेड में 700 रु० प्रति माह के वेतन पर 2-9-74 पूर्वार्द्ध से इस कार्यालय के समसंख्यक पत्र दिनांक 21-8-74 में दी गई शर्तों पर उप-वास्तुक नियुक्त करते हैं।

एस० एस० पी० राव,
प्रशासन उप-निदेशक।

हस्तात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1974

सं० ए० 19011(95)/70-सि० ए०—राष्ट्रपति श्री बाबू जार्ज, अवर खनन भूवैज्ञानिक, भारतीय खनि विभाग को दिनांक 18 सितम्बर, 1974 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न रूप में प्रवर खनन भूवैज्ञानिक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

ए० के० राघवाचारी,
प्रवर प्रशासन अधिकारी,
छूते नियंत्रक।

वाणिज्य मंत्रालय**वस्त्र आयुक्त कार्यालय**

बम्बई, दिनांक 18 सितम्बर 1974

सं० 3 (2) 73-74/सी० एल० बी०-II—सूती वस्त्र (निर्यात नियन्त्रण) आदेश, 1949 के खंड 5 के उप-खंड (एक) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूँ कि विशेष रूप से अधिक बड़े सूत से निर्यात के लिए तैयार किया गया कम घनत्व का कपड़ा जो चीज-क्लाथ के विवरण के अन्तर्गत आता है और जो हैण्डलूम क्रैप के नाम से लोकप्रिय है वह मंलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट न्यूनतम विशिष्टियों (स्पेसिफिकेशन्स) के अनुरूप होगा।

अनुसूची

| सूत नंबर (काउंट्स) (ताना और बाना) | एण्ड और प्रति दंष्ट्र पिक | बटाव प्रति दंष्ट्र | भार |
|--------------------------------------|---------------------------------|-----------------------|---------------------------|
| कोरा 20 | 36 × 40 | 35 | 110 ग्राम प्रति वर्ग मीटर |
| प्रोसेस्ड 20 | 40 × 44 | 35 | 110 ग्राम प्रति वर्ग मीटर |

इस अधिसूचना का कार्यान्वयन 1 नवम्बर 1974 से होगा।

धन राज,
प्रशासन उप निदेशक,
छूते प्रमुख इंजीनियर

के० ए० नरसिंहन,
औद्योगिक सलाहकार
पदेन संयुक्त वस्त्र आयुक्त

फरक्का बांध परियोजना

दिनांक

1974

सं० पी० एफ०—श्री दिलीप कुमार चक्रवर्ती को स्थानापन्न (विद्युत) सहायक अभियन्ता के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नति कर फरक्का बांध परियोजना, मिर्चाई एवं विद्युत मन्त्रालय, भारत सरकार, दिनांक 29 मार्च, 1974 के पूर्वाह्न से 30-11-74 तक के लिए नियुक्त किए गए।

ह० अपठनीय
महा प्रबन्धक

परमाणु ऊर्जा विभाग**क्रय एवं भंडार निदेशालय**

बम्बई-400 001, दिनांक 3 जुलाई 1974

सं० डी० पी० एस० ए० 32011-स्थापना 1229—निदेशक, क्रय एवं भंडार, इस निदेशालय के स्थायी भंडारी श्री मिहिर चन्द्र राय को निम्नलिखित अवधि के लिए सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री के० चन्द्रशेखरन, सहायक भंडार अधिकारी के छुट्टी जाने पर उनके स्थान पर 25-3-1974 से 24-5-1974 तक।
- (2) श्री एन० एस० नायर, सहायक भंडार अधिकारी के छुट्टी जाने पर उनके स्थान पर 27-5-1974 से 12-7-1974 तक।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन-अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र**(कार्मिक विभाग)**

बम्बई-85, दिनांक 21 सितम्बर 1974

सं० पी० ए०/79(9)/74-आर०-4—नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री पन्नेकर नारायण गणेश, यहां के एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को 18 मई, 1974 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकुण्णन,
उप स्थापना अधिकारी (आर)

परमाणु ऊर्जा विभाग**राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना**

अणुशक्ति, दिनांक

1974

सं० रापविप/04621/74-प्रशा०/भर्ती/678—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के एक स्थायीवत आशुलिपिक तथा स्थानापन्न व्यक्तिगत सहायक श्री आर० के० चोपड़ा ने 6/7/74 के अपराह्न से सहायक कार्मिक अधिकारी पद (जिस पर उनकी नियुक्ति अस्थायी तथा पूर्णतः अल्पकालिक स्थानापन्न रूप में हुई थी) का कार्यभार छोड़ दिया।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता दिनांक 16 सितम्बर 1974

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/262/72-1223—रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वर्गिष्ठ आशुलिपिक तथा रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न वर्गिष्ठ आशुलिपिक श्री सुचिन्द्रम रामसुब्बैयर साम्बाशिवन को 16 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी केन्द्र में सहायक प्रशासन-अधिकारी नियुक्त करने हैं।

के० चक्रवर्ती,

मुख्य प्रशासन अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1974

सं० ए०-32014/1/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री आर० रामामूर्ति को जो श्री ओ० पी० छाबडा, सहायक तकनीकी अधिकारी, की अवकाश रिक्ति में पालम एयरपोर्ट, दिल्ली में सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे, 30 अगस्त 1974 पूर्वाह्न में अगले आदेश जारी होने तक, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदर जंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया है।

2. महानिदेशक नागर विमानन, श्री जी० डी० कुलकर्णी, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को इसी स्थान पर और अगले आदेश जारी होने तक 9 सितम्बर, 1974 अपराह्न से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एच० एल० कोहली,
हूते महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक सितम्बर 1974

सं० 1/295/74-स्था०—मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी परियात लेखाकार, श्री के० के० स्वामी को अल्पकालिक रिक्त स्थानों पर 1-6-1974 से लेकर 30-9-1974 तक की अवधि के लिए और एक नियमित रिक्त स्थान पर 1-10-1974 से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से परियात लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 सितम्बर 1974

सं० 10/7/74-स्था०—सर्वश्री आर० पी० एस० कोछड़, इन्द्रा कुमार अग्रवाल और के० पी० वर्मा क्रमशः 3 सितम्बर, 1974, 5 सितम्बर, 1974 और 20 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न

से श्रीर आगामी आदेशों तक स्विचिंग कामप्लेक्स, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 3 अक्टूबर 1974

सं० 1/349/74-स्था०—श्री बी० जी० पुजारी, स्थानापन्न तकनीकी सहायक, घोण्डू शाखा को 25 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से श्रीर आगामी आदेशों तक स्विचिंग कामप्लेक्स, बम्बई में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलूर-560025, दिनांक 24 सितम्बर 1974

सं० 10/7(154)/73-सी० ड० डी० (एच)—अन्तरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के स्थानापन्न डाफ्ट्समैन "सी" श्री चेलन चन्द्रन मेनन को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 1 फरवरी, 1973 से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

पी० आई० यू० नम्बियार,
प्रशासन अधिकारी,
उक्त मुख्य अभियन्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 30 अगस्त 1974

सं० 74/74—श्री जगत नारायण निगम, सहायक समाहर्ता, के० उ० शु० ने 26 अप्रैल, 1974 (पूर्वाह्न) को सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आगरा के कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया तथा 26-4-74 से 31-7-74 तक 97 दिनों के अर्जित अवकाश पर चले गए। श्री परमात्मा सरन, सहायक समाहर्ता, अलीगढ़ ने सहायक समाहर्ता के० उ० शु० आगरा के कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार 29 अप्रैल, 1974 (अपराह्न) को ग्रहण किया।

2. श्री जगत नारायण निगम ने अपने अवकाश के समाप्त होने पर सहायक समाहर्ता, के० उ० शु० आगरा के कार्यालय का कार्यभार 1-8-74 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया। श्री परमात्मा सरन, सहायक समाहर्ता, के० उ० शु०, अलीगढ़ ने सहायक समाहर्ता के० उ० शु० आगरा के कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार 1-8-74 (पूर्वाह्न) को छोड़ दिया।

इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 1/ए/154/74 दिनांक 22-5-74, जो कि पृष्ठ सं० II-125-पार्ट/70/22724 दिनांक 24-5-74 के अधीन निर्गत किया गया, के सातत्य में श्री जगत नारायण निगम, सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आगरा को महालेखाकार उत्तर प्रदेश इलाहाबाद द्वारा अवकाश की स्वीकृति के अधीन 16-7-74 से 31-7-74 तक 16 दिन का परिवर्द्धन स्वीकृत किया जाता है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री जगत नारायण निगम, सहायक समाहर्ता उसी पद तथा स्थान पर लौटने वाले थे और लौट भी जहां से वे अवकाश पर गए थे।

3. प्रमाणित किया जाता है कि श्री जगत नारायण निगम यदि अवकाश पर न जाते तो सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के रूप में काम करने रहते।

बड़ौदा, दिनांक 28 सितम्बर 1974

सं० 14-1974—श्री आर० एस० तलाटी, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग-II, अकलाव रेज 1, आनन्द मण्डल, दिनांक 30-4-1974 की अपराह्न से निवर्तन पेंशन पर निवृत्त हो चुके हैं, उनकी जन्मतिथि 26-4-1916 है।

सं० 15-1974—श्री डी० जे० पवार, स्थायी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग-II, एम० ओ० आर० बी० सूरत मण्डल, दिनांक 31-7-1974 की अपराह्न से निवर्तन पेंशन पर निवृत्त हो चुके हैं, उनकी जन्मतिथि 5-7-1916 है।

सं० 16-1974—श्री एस० एस० कोजी, कार्यालय अधीक्षक ने, जिनको इस कार्यालय स्थापना आदेश सं० 81-74 दिनांक 27-3-74 के अधीन स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग-II के रूप में नियुक्त किया गया था, दिनांक 11-4-1974 की अपराह्न से प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग-II, मुख्यालय बड़ौदा में कार्यभार संभाल लिया है।

न० बी० संजाना,
समसहर्ता

बम्बई-400038, दिनांक 23 सितम्बर 1974

सीमा शुल्क

सं० 9—श्री अजीत अवस्थी को बम्बई सीमाशुल्क भवन में मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 31-8-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रामचन्द्रन,
सीमाशुल्क समाहर्ता, बम्बई

विस्तार विभाग

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मण्डलालय

नासिक रोड, दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० 2507/ए—श्री पी० बाय प्रभू (जिनकी नियुक्ति उपनियन्त्रण अधिकारी [श्रेणी-II राजपत्रित पद] पर भारत प्रतिभूति मण्डलालय में दिनांक 1 जून, 1974 से तदर्थ रूप में पहली बार को महीने के लिए हुई थी और बाद में अधिसूचना संख्या 2410/ए दिनांक 28 अगस्त 1974 के अनुसार दिनांक 30-9-74 तक के लिए सेवा जारी रखी गयी।) आगे इसी तरह 31-12-74 तक काम करते रहेंगे अथवा उस समय तक यदि उसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (के० स्वा० से० के अन्तर्गत) सं० लो० से० आ० द्वारा नियमित नियुक्ति से कर दी जाए।

बि० ज० जोशी,
महाप्रबन्धक

भारत सरकार टकसाल अलीपुर

कलकत्ता-53, दिनांक 24 सितम्बर 1974

सं० पि०-157 — भारत सरकार टकसाल, अलीपुर, कलकत्ता के स्थायी उपलेखाकार श्री आर० एन० नियोगी को इस टकसाल के बुलियन रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप में वेतन नियमानुसार 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 29 दिन के लिए 16-9-74 से 14-10-74 तक नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति श्री के० एस० सुब्रमनियम, स्थायी बुलियन रजिस्ट्रार, को छुट्टी के स्थान पर हुई है।

डी० सी० मुखार्जी,
टकसाल अधिकर्ता

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1974

सं० 726-ई०/730-ई०/ए—इस रेलवे के सहायक इंजीनियर सिगनल और दूर संचार श्री एम० पी० दास घोष का 23-9-1974 को देहान्त हो गया है।

सी० एम० परमेश्वरन,
महाप्रबन्धक

इस्टेगरेल कोब फंक्टरी

मद्रास-38, दिनांक 30 सितम्बर 1974

सं० पीबी/जीजी/9/मिस० II—श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न बरिष्ठ लेखा अधिकारी/वित्त (य० मा०) (तदर्थ) को तारीख 3-8-74 के अपराह्न से श्रेणी-II सेवा को रिवर्ट किया गया है।

श्री बी० नारायणस्वामी, स्थानापन्न शाप अधीक्षक/शाप-29 (श्रेणी-III) को श्रेणी-II सेवा में स्थानापन्न रूप से तारीख 5-8-74 से सहायक निर्माण प्रबन्धक/बिजली के पद पर पदोन्नति की गयी है।

श्री सी० शंकरन, स्थानापन्न कल्याण निरीक्षक, जिनका नाम अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी (श्रेणी-II) के पद के लिए नामिका में दर्ज किया गया है, को स्थानापन्न रूप से तारीख 9-8-74 से 8-9-74 तक कल्याण अधिकारी (श्रेणी-II) के पद पर पदोन्नति की गयी है।

श्री ए० राघवन, स्थानापन्न शाप अधीक्षक (श्रेणी-II), जिनका नाम अस्थायी रूप से सहायक यांत्रिक इंजीनियर (श्रेणी-II) के पद के लिए नामिका में दर्ज किया गया है, को स्थानापन्न रूप से सहायक उत्पादन इंजीनियर/प्रगति/शेल (श्रेणी-II) के पद पर तारीख 23-8-74 से पदोन्नति की गयी है।

श्री एस० राय चौधरी, स्थानापन्न शाप अधीक्षक (श्रेणी-III), जिनका नाम अस्थायी रूप से सहायक यांत्रिक इंजीनियर (श्रेणी-II) के पद के लिए नामिका में दर्ज किया गया है, को श्रेणी-II सेवा में स्थानापन्न रूप से उत्पादन इंजीनियर/योजना फर्निशिंग के पद पर तारीख 26-8-74 से पदोन्नति की गयी है।

एस० सुब्रामनियम,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी,
छुटे महाप्रबन्धक।

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री नारायणा शुगर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 26 सितम्बर 1974

सं० 4726/560(3)/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् आ यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से

तीन मास के अवसान पर श्री नारायणा शुगर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेन्ट्रल ट्राव्स्कॉर चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 24 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेन्ट्रल ट्राव्स्कॉर चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इम्बिरा रबर एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 24 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इन्दिरा रबर एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेबी मिल्स लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 18 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेबी मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोलींग मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 24 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोलींग मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मंगलोदयम चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 18 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मंगलोदयम चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जौहर पल्लीविंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

एरणाकुलम, दिनांक 24 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जौहर पल्लीविंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कल्पना थोयेटरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

एरणाकुलम, दिनांक 24 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कल्पना थोयेटरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मियो ट्रेडिंग एजन्सी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

एरणाकुलम, दिनांक 24 सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मियो ट्रेडिंग एजन्सी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

पी० एस० अन्वार
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिमालया मोटर इन्स्टालमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

दिनांक 26 सितम्बर 1974

सं० 4269/170—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिमालया मोटर इन्स्टालमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बी० एस० कन्सल्टेंट्स इन्टरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 4454/171—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बी० एस० कन्सल्टेंट्स इन्टरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इंडिया वायरलेस सर्विस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 2707—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इंडिया वायरलेस सर्विस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुवीना प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 2643—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुवीना प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

(श्रीमती) सी० कपूर,
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार,
विल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जयपुर ट्रस्ट लिमिटेड के विषय में ।

दिनांक 24 सितम्बर 1974

सं० सांख्यिकी/408—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जयपुर ट्रस्ट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

राम दयाल कुरील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान, जयपुर ।

संगठन एवं प्रबन्धक लेखा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1974

सं० 9/74-डी० ओ० एम० एस०—श्री आर० एन० सहाय, आयकर अधिकारी (श्रेणी-II) ने आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता प्रभार से अपने स्थानान्तरण होने पर संगठन एवं प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर), नई दिल्ली के कार्यालय में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार दिनांक 15 जुलाई, 1974 (पूर्वाह्न) में सम्भाल लिया ।

एच० डी० बहल,
निदेशक

प्रकरण अर्द्ध-ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ () के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय,
अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निवृत्त सं० आय० ए० सी० ए० सी० ए० सी०/35/74-75—यन,
मुझे, एम० एस० राय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खसरा संख्या 123/1 और 122/1 मौजा देवार्ड गोविन्दपुर, तहसील और जिला चन्द्रपुर है, जो चन्द्रपुर में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्द्रपुर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री शमराव राजेधरराव पोटदुरो (अन्तरक)
2. श्रीमती उपाताई कृष्णराव हजारे
3. श्री मोरेधर जगदिशराव सलवे
4. श्रीमती लताबाई छोटूभाई पटेल
1. श्री राधाकृष्ण नारायणराव दामकोण्डवार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1.29 एकर और जिसकी खसरा संख्या 123/1 और 122/1 है जो मौजा देवार्ड गोविन्दपुर पी० एच० संख्या 10 जो तहसील और जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 सितम्बर 1974

निदेश सं० 24-ए०/अर्जन:—यतः, मुझे के०
एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 113/20 है जो, अमीनाबाद, लखनऊ में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 जनवरी,
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सईदुननिसा व अन्य (अन्तरक)
2. श्री अनिल कुमार व अन्य (अन्तरिती)
3. श्री समपाल ब्रह्मर (किराएदार)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका न० 113/20 तथा क्षेत्रफल
55'×15'-6" है, अमीनाबाद पार्क, लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—लखनऊ

दिनांक 4 सितम्बर, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी-42/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः,

मुझे आर० एल० बुटानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 13-ए/572 है, जो डायमन्ड हार्बर रोड, ब्लाक-एन०, न्यू आलिपुर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, आलिपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राय हिरेन्द्रानाथ चौधुरी
(2) श्री राय हिरेन्द्रानाथ चौधुरी मुन्सी हाऊस, बरानगर, कलकत्ता-36 (अन्तरक)
2. (1) श्री प्रवीर कुमार सिन्हा
(2) श्री विजय कुमार सिन्हा,
(3) श्री समर कुमार सिन्हा, 55-बी, प्यारी मोहन राय रोड, कलकत्ता-27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 13-ए/572, डायमन्ड हार्बर रोड, ब्लाक-एन०, न्यू आलिपुर कलकत्ता में तीन तल्ला और अशीय दो तल्ला मकान के साथ, 8.92 कट्ठास जमीन है।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II पी-13 चौरंगी स्कोयर, कल०-1

तारीख : 11-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मितम्बर 1974

निर्देश सं० XII/23/1 एण्ड 2/74-75—यतः, मुझे, के०
वी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० सं० 21 से 25 तक, पिरान्दाधुलम है, जो पालयम्काट्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालयम्काट्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीरबाघु मुळमनिय पिल्ले वी चन्द्रन घनपतिसुन्दर और कलपपन (मैनर) (अन्तरक)
2. श्री एम० अरुणाचल तेवर और सुब्बा रोकुयार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि जिला, पालयम्काट्ट, पिरन्दाधुलम मे 4. 121/2 एकड़ का तन्वा भूमि जिसका सर्वे० सं० 21 से 25 तक।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 30-9-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 मितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी 43/आर II कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे, आर० ए० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 18 ए है, जो आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार एवं एग्रेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दि अल्यूमिनियम कारपोरेशन अब इंडिया 7, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, लिमिटेड कलकाजी (अन्तरक)

(2) मैमस स्ट्रो प्रोडाक्ट्स लिमिटेड जेकेनगर, रायगोडा उड़ीसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 काठा 13 छंटाक 36 वर्ग फुट माप का जमीन, जो 18 ए, आलिपुर रोड, कलकाजा का एक अंश है।

आर० ए० बुटानी,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 11-9-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

दिनांक, 5 अक्टूबर, 1974

निर्देश सं० टी० आर० 1566/सी-369/कल०-9/73-74—
यतः, मुझे एम० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिनकी सं० 16 है जो कमेक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्टेजिसेज न० 5, गवर्नमेंट
प्लेस (उत्तर), कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 24-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मोवाना गुप्ता

2. मैमर्स रूब्री कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (अन्तरिती)

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

1. श्री डी० एस० भल्ला

2. वीन्टाम लिमिटेड

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 16, कमेक स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित इटो का बना
हुआ रिहायशी मकान मय 1 बीघा, 13 कट्ठास और 5½ छट्ठाकस
भूमि।

एम० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 पी-13, चौरंगी स्कायर, कलकत्ता-1

तारीख : 5-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 5 अक्टूबर, 1974

निर्देश सं० टी० आर० 1545/सी० 361/कल० 1/73-74—
उक्त, मुझे एस० के० चक्रवर्ती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6 है, जो लाउडान स्ट्रीट (वर्तमान डा० यू० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एसोरेन्स 5, गवर्नमेंट प्लेस नोर्थ, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) 3-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विश्लेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बंसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री केशव चन्द्र बासु 29/1, बालीगंज, सरकुलर रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)

2 श्रीनालीनी प्रोपर्टीज एण्ड मर्केंटाईल कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, 20, गरीहाट रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)
यह व्यक्ति/जिमके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(1) मि० आर० एस० इलयास एण्ड बदर्से

(2) मि० एम० के० भिमानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 6, लाउडान स्ट्रीट (वर्तमान यू० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट), कलकत्ता स्थित ऊपर के रिहायसी मकान मय 1 बीघा, 18 कट्टास, 11 छिट्टाकस, 14 वर्गफीट भूमि में 1/2 अविभाजित हिस्सा या भाग।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 13 पी० 13, चौरंगी स्कायर, कलकत्ता-1

तारीख : 5-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक, 5 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० टी० आर०-1544/सी-360/कल०-1/73-74—
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6, है, जो लाउडान स्ट्रीट (वर्तमान यू० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐसोरेन्स 5, गवर्नमेंट प्लेस नोर्थ, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री उमाशंकर सरकार 20 ए, सांकडीतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मीनालीनी प्रोपर्टीज एण्ड मकनटाइल कम्पनी, प्राईवेट लिमिटेड, 20 गरीहाट रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

1. मि० आर० एस० इलयास एण्ड अदर्स

2. मि० एम० के० भिमानी।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 6, लाउडान स्ट्रीट, (वर्तमान ७० यू० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट), कलकत्ता स्थित ऊपर के रिहायसी मकान मय 4 बीघा, 11 कट्ठास, 11 छट्ठास एवं 14 वर्गफीट भूमि में अविभाजित 1/4 हिस्सा या भाग।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पी-13, चौरंगी स्कायर, कलकत्ता-1

तारीख : 5-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1974

निर्देश सं० टी आर० 1543/सी० -359/कल०-1/73-74
यत, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6 है, जो लाउजान स्ट्रीट (वर्तमान डा० यू० एन ब्रह्मचारी स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसोरेसेज 5, गवर्नमेंट प्लेस नर्थ, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती आरती सरकार (अन्तरक)

2 मीनालीनी प्रोपर्टीज एण्ड मकन्टाईस कम्पनी (प्राईवेट लिमिटेड)। (अन्तरिती)

1 मि० आर० एस० इलयास एण्ड अदर्स

2. एम० के० भिमानी
(वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 6, लाउजान स्ट्रीट (वर्तमान यू० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट), कलकत्ता स्थित ऊपर के रिहायसी मकान मय 9 बीघा 18 कट्ठास 11 छिट्टकास और 14 वर्गफीट भूमि में अविभाजित 1/4 हिस्सा अथवा भाग।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 पी-13, चौरंगी स्कायर, कलकत्ता-1

तारीख 10-10-74

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल का कार्यालय

दिनांक, 3 अक्टूबर, 1974

निवश सं० एस० आर०/भोपाल 9-9-74—अतः मुझे,
एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बंगला नं० 12 सिमरोहा रोड़, महु में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, महु में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 9-1-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मानिक पुत्र श्री वी० एम० पारख बम्बई नं० 2 श्रीमती
सलवाई गुलपार्क पत्नी श्री एन० एम० पारख बम्बई

2. श्री शंकरलाल पुत्र श्री चौखेलाल 2 श्री श्री राम (3)
रमेशचन्द्र पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल महु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 121 सिमरोल रोड़ महु एक मुजिला ऐरिया
2.08 एकर्स

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 23 मितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी-44/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे, आर० एल० बुटानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8 ए, है, जो आलिपुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार गेसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत घिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिस्थियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मैसिनो देकनो (सेलस्) प्रा० लिमिटेड 33, नेताजी सुभाष रोड़, कलकत्ता-1 (अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल अमृतलाल मानियार 8 ए, आलिपुर रोड़, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 ए, आलिपुर रोड़, कलकत्ता में प्लेट नं० 14 ए है।

आर० एल० बुटानी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II-1, कल० पी-13, चौरंगी स्कोयर कलकत्ता-1

तारीख : 13-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भोपाल का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 30-9-74

निवेश सं० एस० आर०/जबलपुर 30/9/74—यतः, मुझे
एम० एफ० मुंशी आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ब्लाक नं० 48 एरिया 22ए 15 वर्गफीट
है, जो ब्लाक नं० 23 जबलपुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० के० वट्टी, सीता बलबी नागपुर महाराष्ट्र।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश मेठी पुत्र जी० एन० मेठी, नं० 2 श्रीमती आशा
मेठी पत्नी श्री मदनलाल मेठी सिविल लाइन जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० एफ० मुंशी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 30-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/इंदौर/14-1-74—अतः, मुझे, एम० एफ० मुशी सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० विलोक नं० 48 ई है, जो इन्ड्रीस्टेरिया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंसम केमीकल कन्सल्टेशन कम्पनी 148 ई० लक्ष्मीबाई इन्ड्रीमटेरिया मूलचन्द पुत्र श्री अमलू मल देव किला भैवान इन्दौर (द्वारा भागीदार) (अन्तरक)

2. द्वारा पेक/एन०/पीन्ट पराडस 48 ई० विलोक इन्ड्रीस्टेरिया इन्दौर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्ड्रीस्टेरिया विलोक नम्बर 48 ई० एक सेट बना हुआ इन्दौर।

एम० एफ० मुशी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 3-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षक

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 3-10-74

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर 30/1/74—अतः, मुझे एम० एफ० मुंशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० हिस्सा विलोक नं० 4 सरिया 22968 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर वर्गफीट विलोक नं० 23 जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
296GI/74—4

1. श्री जी० के० मुट्ठी, मीताबालडी नागपुर (महाराष्ट्र)
(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रप्रकाश पाहवा श्री महेन्द्र प्रताप पाहवा दुन्नगढ़
श्री स्वर्गीय मल्हारराम पाहवा, 533 मेहगताल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा विलोक नं० 4 का एरिया 22968 वर्गफीट विलोक नं० 23 साउथ सिविल लाइन, जबलपुर।

एम० एफ० मुंशी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 3-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 8 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर० 111/मई-1/96(22)/74-75/3119—यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर-128 है, जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह, आर० 128, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रनवीर सिंह पुत्र श्री सतनाम सिंह, आर० 128 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2 मंजिली जायदाद प्लॉट नं० 1 आर० 128 जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो कि निवामी कालोनी ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

पूर्व : प्लॉट नं० आर० 130

पश्चिम : प्लॉट नं० आर० 126

उत्तर : मविस लेन

दक्षिण : सड़क

डी० बी० लाल,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, तारीख 28-9-1974

निर्देश सं० एस० 48/आर० II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे आर० एल० बुटानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2950, 2951, 2956, 2695, 2952, 2951/5227, 2956/5228, 2695/5231 और 2950/3006 है, जो मौजा राणिगंज मुन्सिपालिटी, जे० एफ० सं० 24, थाना, राणिगंज, जिला बर्दवान में स्थित है (और जिसकी उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, राणिगंज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

वर्ण एण्ड कं० लिमिटेड, 12 मिशन रो, कलकत्ता-1।

(अन्तरक)

श्री बलवन्त सिंह, सरदार पंजाब सिंह का पुत्र, राणिगंज, थाना राणिगंज, बर्दवान जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 2950, 2951, 2956, 2695, 2952, 2951/5227, 2956/5228, 2695/5231 और 2950/3006, और ख० सं० 786, 2564, 944 और 2652 का 9.771 एकड़ क्षेत्रफल का भूमि, जो मौजा राणिगंज मुन्सिपालिटी, जे० एल० सं० 24, थाना, राणिगंज, जिला बर्दवान में स्थित है।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, पि० 13, चौरंगी स्कोयर, कलकत्ता-1

तारीख : 28-9-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8-10-74

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/
जुलाई-1/229(26)/74-75/3119—यतः, मुझे डी० बी० लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
1/2, अविभाजित भाग प्लॉट नं० एस-508 है जो ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 9-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अरुण कुमार सरपाल पुत्र श्री देव राज, 5ए/9, दरिया गंज
दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० आर० एस० गुलाटी एंड सन्स (एच० यू० एफ०)
द्वारा उसके कर्ता श्री आर० एस० गुलाटी पुत्र श्री नरसिंह दास
गुलाटी निवासी एस० 166, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग प्लॉट नं० एस० 508 ब्लॉक नं०
'एस' जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जोकि निवासी कालोनी
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से विभाजित है:—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : मकान नं० एस० 506।

दक्षिण : मकान नं० एस० 510।

डी० बी० लाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दिल्ली, नई दिल्ली 1।

तारीख : 8 अक्टूबर, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

दिल्ली-1, तारीख 8-10-74

निर्देश न० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० ग्रार०-II/
अप्रैल-1 (7)/7/74-75/3129—यत, मुझे डी० बी० लाल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी स० डब्ल्यू० 28(1/2) अविभाजित भाग है, जो
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 8-4-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिये रजिस्ट्रीकृत घिलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री भवनेश दत्ता मकोजा पुत्र श्री मोहन लाल मकोजा
औफ, इन्दौर द्वारा श्री त्रिलोक नाथ मकोजा 81, आदर्श नगर,
नर्वदा रोड, जबलपुर (एम० पी०) (अन्तरक)

2 श्री त्रिलोक नाथ मकोजा पुत्र श्री मोहन लाल मकोजा
81, आदर्श नगर, नर्वदा रोड, जबलपुर (एम० पी०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग (अविभाजित) जिसका प्लॉट न० 28 ब्लाक
न० डब्ल्यू० क्षेत्रफल 250 वर्गगज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली के गांव याकूतपुर में निम्न प्रकार से घिरा
है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : लैन

उत्तर : प्लॉट न० डब्ल्यू०-26

दक्षिण : प्लॉट न० डब्ल्यू०-30

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख : 8-10-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस०/एक्यू-1/एम० आर०-III
240(41)/74-75/3119—यतः, मुझे, डी० बी० लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० एम-34 है, जो ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-7-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव राजसाहनी पुत्र श्री दीवान चन्द साहनी
निवासी एम-87, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री भगत राम ढल्ला पुत्र स्व० श्री बूटा राम ढल्ला श्रीर
श्रीमती शान्ता देवी ढल्ला पत्नी श्री भगत राम ढल्ला, निवासी
एम० 361, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

श्री होल्ड प्लॉट जिसका नं० 34 ब्लॉक 'एम' क्षेत्रफल 510
जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के गांव याकृत
पुर में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : प्लॉट नं० एम० 36

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस रोड ।

डी० बी० लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1 ।

तारीख : 8-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एम० आर० III/ जुलाई-1/228(25)/74-75/3119—यतः, मुझे, श्री० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग प्लॉट नं० एस-508 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार सरपाल पुत्र श्री दत्त राज, निवासी 5ए/9, दरायागंज, दिल्ली। (अन्तरक)

2 (1) अनिल गुलाटी पुत्र श्री आर० एम० गुलाटी।

(2) श्रीमती निर्मल गुलाटी पत्नी श्री अनिल गुलाटी निवासी एम 166, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग जिसका प्लॉट नं० एस 508 ब्लॉक नं० एस क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है :—

पूर्व : सड़क

उत्तर : मकान नं० एम 506।

पश्चिम : सर्विस लेन।

दक्षिण : मकान नं० एस 510।

श्री० बी० लाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख : 8-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8-10-74

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/अप्रैल-1/21(22)/74-75/3119—यतः, मुझे श्री० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० 6 ए है, जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित गई की है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आय क अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आदिश्वर कुमार जैन पुत्र श्री एस० पी० जैन, वासी म० नं० 2218, गली हनमान प्रसाद, मस्जिद खजूर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अविनाश सी० आनन्द पुत्र श्री टेकचन्द आनन्द जेड-21, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3 (1) डा० आर० के० सन्याल, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैमली प्लानिंग।

(2) मै० जैन सन्म ट्रेडर्स द्वारा श्री एस० सी० जैन और

(3) श्री राजेश कुमार जैन सभी निवासी आर० 6ए० ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2 मंजिला जायदाद जोकि जमीन के प्लॉट नं० 6ए० ब्लॉक आर जिसका क्षेत्रफल 242 वर्गगज जोकि ग्रीन पार्क एक्स-टेंशन नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरी हुई है:—

पूर्व : मकान नं० आर० 7

उत्तर : सड़क

पश्चिम : मकान नं० आर० 6

दक्षिण : सर्विस लेन

श्री० बी० लाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 8-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख 8-10-74

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/74-75/3119—यतः,
मुझे, डी० वी० लाल आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16/10596 है, जो प्लॉट नं० 14 ब्लाक नं०
13 डब्ल्यू० ई० ए० कालोनी, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
3-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

296GI/74-5

1. श्री दया चन्द व श्री सुभाष चन्द सुपुत्र श्री जैकरन दाम
निवासी 13/4 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती धनवल्ली देवी सुपुत्री श्री खट्टर मल व पत्नी
श्री मोटन दास निवासी नं० 237 गली नं० 8 जोशी रोड, करोल
बाग, नई दिल्ली (अब 16/10597 प्लॉट नं० 44 ब्लाक नं० 13
डब्ल्यू० ई० ए० करोलबाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 16/10597 जो कि प्लॉट नं० 14 ब्लाक नं०
13 जिसका क्षेत्रफल कुल 276 वर्ग गज में से ग्राधा 138 वर्ग गज
है का ग्राधा दक्षिणी भाग जो कि डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर : दूसरा भाग जो कि नन्द सिंह व इकदाव सिंह को
बेचा गया है।

दक्षिण : गली

पूर्व : कोठी नं० 15 ब्लाक नं० 13

पश्चिम : गली व पार्क।

डी० वी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख 8-10-1974

निर्देश सं० IX/2/273/73-74—यतः, सू० के० बी० राजन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/30, पान्तिन रोड, राघमोर, मद्रास-8 है जो में स्थित है (और इसमें उपादक में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायित्व मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत दियेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और सू० यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मधुस नाथकर, आदी, मद्रास 4 । (अ तः)

(2) श्री बी० बी० राजु, बीमावरम तान्क, आन्धरा प्रदेश । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में दयापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-8, राघमोर, पान्तिन रोड, डोर सं० 1/30, में दो ग्रेण्ड और 1896 स्क्वियर फीट में 1/3 भाग खाली भूमि ।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी

तारीख 8-10-74

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख 30-9-74

निर्देश सं० टी० आर०-1537/सी-353/कल०-1/73-74—
अतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी ग० 31 है, जो डलहौजी स्क्वेयर, कलकत्ता-1 में स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ प्रमोसिगस के गवर्नमेंट प्लान नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 156) के अधीन 15-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए, सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दी हांगकांग एंड संधाई बैंकिंग कार्पोरेशन, 31 डलहौजी स्क्वायर, कलकत्ता । (अन्तरक)

मर्केंटायल बैंक लिमिटेड 8, नेताजी सुभाष राड, कलकत्ता-1 ।

(1) बर्मा-मेल ग्रायल स्टोरेज एंड डिस्ट्रीब्यूटिंग कम्पनी आफ इण्डिया, लिमिटेड ।

(2) विलिम सेक्स एंड कम्पनी इण्डिया लिमिटेड ।

(3) पादार सर्विसेस लिमिटेड ।

(4) यूनाइटेड कमर्शियल बैंक । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के पति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय गुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक इंच की बनी हुई इमारत (जिसका नाप 1 बीघा 12 कटोह 1 छटाक और 15 वर्ग फुट है) 31, डलहौजी स्क्वायर कलकत्ता पर स्थित है ।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख 30-9-74

मोहर ।

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 8-10-1974

निर्देश सं० /3/279/73-74—यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी वं० 1/30, पान्तिन रोड, एमोर, मद्रास 8 है, जो—
मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुहम्मद नायकर, श्री एम० तिहनाडकरसु और श्री टी० गोविन्दसामी, मद्रास-8। (अन्तरक)

(2) डाक्टर के० एस० एन० राजू : के० रमावति . के० सत्यानारायण राजू; के० उदा राणी; के० हरि; एन० कृष्ण प्रसाद राजू और एन० इगेबा रानी, मद्रास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मद्रास-8, एमोर, पान्तिन रोड, सं० 1/30 में दो आउण्ड और 1896 स्कूयर फीट का खाली भूमि।

अनुसूची

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, चौरंगी स्कूयर कलकत्ता।

तारीख 8-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख 8 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० /2/272/73-74—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/30, पान्तिन रोड, राघमोर, मद्रास-8 है, जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 रजिस्ट्रीकर्ता (1908 का 16) के अधीन 16 को बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(2) कुमारी हरिता (मैनर) डालमियापुरम, तिरुचि जिला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये गए हैं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मद्रास-8, राघमोर, पान्तिन रोड डोर सं० 1/30 में दो ग्रेण्ड और 1896 स्क्वयर फीट में 1/3 भाग खाली भूमि।

अनुसूची

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8 अक्टूबर, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रज. बा. अ. ब. कानपुर

तारीख 8-10-1974

निर्देश सं० 80/अर्जन/कान०/74-75/1—यन, म. व. बा. खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961-का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 122/236 का भाग ई० है, जो फजलगंज, कानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-4-74, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगत नारायण पुत्र श्री मूरजवली ।
2. श्रीमती अनारकली पुत्री, मूरजवली ।
3. श्रीमती विमलादेवी पुत्री मूरजवली राम ।

1. श्रीमती प्रियमा देवी विधवा मूरजवलीराम ।

5. श्री नन्दवती राम पुत्र गुमेरगम ।

6. उमादेवी देवी शिवकुमार । (अन्तरक)

यमी नि० 21485/40 कीपर गन, कानपुर । (अन्तरिती)

1. म० मणपाल सिंह ।

2. म० प्रेमिंद सिंह ।

3. म० लक्ष्मीर सिंह पुत्र म० ज्ञानसिंह ।

4. श्रीमती सुमित्रा देवी पुत्री म० ज्ञान सिंह ।

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए पन्द्रहवां कार्यवाहियों शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

पुनर्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

पुनर्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुन जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 122/236, का भाग ई० स्थित फजलगंज कानपुर, जिसका क्षेत्रफल 1836।। वर्ग गज है का हस्तान्तरण 42,000) में किया गया ।

वाई० खोसर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज, कानपुर ।

तारीख 8-10-74 ।

मोहर

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, मई, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

सं० एफ० 8/3/74-ई I(बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 26 अक्टूबर, 1974 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या 21 दिनांक 1 अक्टूबर 1974 के अनुसार नेशनल डिफेंस एकेडेमी के थल, जल और वायुसेना पक्षां में प्रवेश हेतु, जनवरी 1976 में प्रारंभ होने वाले 55 वें मंत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम में 20 मई, 1975 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को समय सारिणी तथा परीक्षा के स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए, उपाबंध II पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या थल सेना के लिए 162, नौसेना के लिए 33 तथा वायु सेना के लिए 55 होगी। इन संस्थाओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जुलाई, 1957, से पूर्व का तथा 1 जनवरी, 1960 के बाद का नहीं होना चाहिए। इन आयु-सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण एक रुपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार नाम और पता तथा परीक्षा का नाम बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपय की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा सबद्ध कागजात निम्नलिखित किसी प्राधिकारी से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) मुख्यालय बंगाल एरिया, कलकत्ता/दिल्ली एरिया, दिल्ली कैंट/ पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश एरिया, अम्बाला कैंट/उत्तर-प्रदेश एरिया, बरेली/ मध्य प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा एरिया, जबलपुर/

महाराष्ट्र तथा गुजरात एरिया, बम्बई/तमिलनाडु, कर्नाटक तथा केरल एरिया, सैट टामस माउंट, 101 कमान जेड एरिया केअर आफ 99 ए० पी० ओ०।

- (ii) मुख्यालय, इलाहाबाद सब-एरिया, इलाहाबाद/बम्बई सब-एरिया, बम्बई/लखनऊ, सब-एरिया, लखनऊ/ मेरठ सब-एरिया, मेरठ/पुणे सब-एरिया, पुणे/कलकत्ता सब एरिया, कलकत्ता/एम० पी० सब एरिया, भोपाल/ जलंधर सब-एरिया, जलंधर/कर्नाटक सब-एरिया, बंगलौर/ आंध्र सब-एरिया, सिकन्दराबाद/बिहार तथा उड़ीसा सब-एरिया, दीनापुर/ अम्बाला सब एरिया, अम्बाला/देहरादून सब एरिया, देहरादून/ तमिलनाडु तथा केरल सब-एरिया, मद्रास/ उत्तरी बंगाल सब-एरिया/ 21 सब-एरिया 31, 41 तथा 51 सब-एरिया/ मुख्यालय 61 स्वतन्त्र सब-एरिया।
- (iii) स्टेशन मुख्यालय-बंगदुबी बागडोगरा (प० ब०), पठानकोट, श्रीनगर (ज० तथा क०), धर्म नगर, ग्रामाम, गोहाटी और जयपुर (राज०)।
- (iv) सभी भर्ती कार्यालय।
- (v) फ्लैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौ-सेना कमान, बम्बई।
- (vi) फ्लैग अफसर कमांडिंग, दक्षिणी नौ-सेना एरिया, कोचिन,
- (vii) फ्लैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापटनम्।
- (viii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, कलकत्ता।
- (ix) नेवल अफसर-इन-चार्ज, गोआ।
- (x) नेवल अफसर-इन-चार्ज, मद्रास।
- (xi) नेवल अफसर-इन-चार्ज, अंडमान तथा निकोबार।
- (xii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, काठियावाड़।
- (xiii) वायु सेना मुख्यालय (पर्सनेल अफसर 3), नई दिल्ली।
- (xiv) सभी नेशनल कैडेट फोर यूनिटें।

वायु सेना के भर्ती कार्यालय :—

- (क) द्वारा एयर फार्म स्टेशन, नई दिल्ली-3।
- (ख) 48 मैन्सफील्ड रोड, अम्बाला कैंट।
- (ग) मुकर्जी कैम्प, कानपुर कैंट।
- (घ) पश्चिम बंगाल जोन, ओएसिस नं० 3, एन० एस० सी०, बोम रोड, पो० रिजेंट पार्क, कलकत्ता-40।
- (ङ) निरंजन बिल्डिंग (चौथी मंजिल), 99 मेरीन लाइन्स। (पश्चिम), मेरीन लाइन्स रेलवे स्टेशन के सामने, बम्बई-2।
- (च) वायु सेना स्टेशन, तांवरम (मद्रास)।
- (छ) न० 1 कब्बन रोड, बंगलौर-1।
- (ज) असम जोन ऊजान बाजार, गोहाटी।

- (झ) अनुग्रह नारायण पथ, कदम कुआँ, नया एरिया, पटना-3
 (ञ) ओल्ड पाली रोड, जोधपुर ।
 (ट) वायु सेना, बंगमपेट, सिकंदराबाद ।
 (ठ) वायु सेना भर्ती दफ्तर, भुवनेश्वर ।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, मई, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, मई, 1975 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा ।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 23 दिसम्बर, 1974 (23 दिसम्बर, 1974 या उसके पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 6 जनवरी, 1975) को या उसके पूर्व आवश्यक प्रलेखों के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए । उस तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा ।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था । आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है ।

नोट :—यदि उम्मीदवारों को उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबद्ध कागजात प्राप्त करने में कठिनाई या देरी हो तो उन्हें उपर्युक्त पैरा 4 के प्रथम उप पैरा में निर्धारित विधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, से प्राप्त करने के लिए सामयिक कार्यवाई अवश्य करनी चाहिए ।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट विधि से अवश्य करें ।

जिस आवेदन-पत्र के साथ इस परीक्षा की पूर्ति नहीं होगी उसे एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपाबंध I के पैराग्राफ 2 तथा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छुट चाहते हैं ।

8. उम्मीदवार के अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने के संबंध में उससे प्राप्त किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

9. यदि कोई उम्मीदवार नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश के लिए मई, 1974 में आयोजित परीक्षा में बैठा हो या दिसम्बर, 1974 में होने वाली परीक्षा में बैठ रहा हो, और अब यहां अधिसूचित परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा-परिणाम या नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए

ताकि यह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए । यदि वह मई, 1974 की या दिसम्बर, 1974 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर एकेडेमी में प्रवेश के लिए अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबंध I के पैरा 4 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता ।

एम० एस० प्रुथी, उप सचिव,
 संघ लोक सेवा आयोग

उपाबंध I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान करें ।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, किसी अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा और ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं ।

2. थल सेना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों, नान कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों के अफसरों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु-सेना में उनके समकक्ष रैंकों के अफसरों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों के भूतपूर्व अधिकारियों और भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में उनके समकक्ष रैंकों के अधिकारियों के बच्चे यदि निम्नलिखित शर्तें पूरी करते हैं तो उन्हें निर्धारित शुल्क नहीं देना होगा ।

- यदि वे मिलिटरी स्कूलों (पहले जिनका नाम किंग जार्ज स्कूल था) सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा संचालित सैनिक स्कूलों में पढ़ रहे हैं तथा
- उनके आवेदन-पत्र सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अग्रसारित किए जाते हैं कि उन्हें लिखित प्रश्न पत्रों के कुल अंकों में से कम से कम 30 प्रतिशत अंक मिलने की आशा है ।

3. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और

1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भग्न आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

4 जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, उसे रु० 15 00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के मामले में रु० 4. 00) की राशि वापस कर दी जाएगी) किन्तु यदि अधिसूचना के पैराग्राफ 8 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर रद्द कर दिया जाए कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट की शर्तों की अपेक्षाओं का पालन नहीं कर सकता तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 9 में की गई व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस परीक्षा से संबंधित नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित विधि द्वारा सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भर्ने से पहले नोटिस और नियमावली ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जाएगी।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यत: चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2 (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र और पावती कार्ड अपने हाथ में ही भरने चाहिए। जो आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा होगा उसे रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र और पावती कार्ड सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेश में या अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहे उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो उस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 23 दिसम्बर, 1974 से पहले की किसी तारीख में विदेश में या अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इत्तर निर्माण प्रमाणित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो, उसे अपना आवेदन-पत्र संबंधित विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो पष्ठाकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का संकनन "बी") को भर कर आयोग को भेज देगा।

थल सेना, नौ सेना या वायु सेना में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग ऑफसर की मार्फत भेजना चाहिए जो पष्ठाकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का संकनन "बी") को भर कर आयोग को भेज देगा।

भारत नौसेना के नाविकों (बाल एवं शिल्पी अप्रेंटिसों सहित) को अपनी प्रथम शरीयता भारतीय नौसेना के लिए ही देनी चाहिए। उनके आवेदन-पत्रों पर तभी विचार किया जाएगा जबकि वे उनके कमांडिंग ऑफसरों द्वारा विधिवत् अनुमोदित हों।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालेज (जिसका नाम पहले सैनिक स्कूल था), देहरादून, के कैडेट, मिलिटरी स्कूलों (जिसका नाम पहले किंग जार्ज स्कूल था) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा संचालित सैनिक स्कूलों के विद्यार्थी अपने आवेदन-पत्र संबंधित कालेज/स्कूल के प्रिंसिपल की मार्फत भेजें।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह सघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

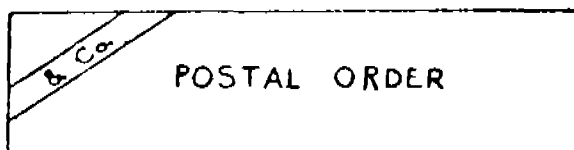
- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाबन्ध 1)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शिक्षक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां।
- (v) नाबालिग उम्मीदवार के मामले में माता-पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर से प्रस्तुत किया जाने वाला प्रमाण-पत्र।
- (vi) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने से संबंधित दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) शुल्क की माफी से संबंधित दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 6)।

नोट :—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही भेजें और वे प्रतिलिपियाँ सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा उम्मीदवार द्वारा स्वयं सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए मकान घोषित हो जाएंगे उन्हें लिखित परीक्षा परिणाम के घोषित हो जाने के शीघ्र बाद ही उपर्युक्त मूल प्रमाण-पत्र भेजने होंगे। परीक्षा परिणाम के सितम्बर, 1975 में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद इन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं कर पाते उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और वे उम्मीदवार आगे विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (v) तक में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण नीचे दिया गया है और मद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 5 और 6 में दिया गया है :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



और इस प्रकार भरा जाए :—

PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

समस्त पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आर्डरों को रेखांकित किए बिना या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल पोस्ट आफिस में देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहा हो, वह निर्धारित शुल्क की राशि (₹ 28.00 के बराबर

और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, जो भी हों, के कार्यालय में जमा करवाए और उनसे कहे कि वे उस राशि को लेखा जीर्ण "051. PUBLIC SERVICE COMMISSION—EXAMINATION FEES".

में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्स्ट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति भेज दें।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्रों में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

यदि कोई उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र के साथ मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजने में असमर्थ हो तो उसे उसके न भेजे जाने का उचित स्पष्टीकरण भी अवश्य देना चाहिए। ऐसे उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ पैरा 3(iii) के नीचे दिए गए नोट में निर्धारित फार्म भर उस संस्था के प्रिंसिपल/हैडमास्टर से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा में बैठा हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी आयु/जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यथाशीघ्र प्रस्तुत करनी होगी। यदि आगे चल कर उसके द्वारा आवेदन-पत्र में लिखी गई जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष प्रमाण-पत्र में दर्ज की गई जन्म की तारीख से भिन्न पाई गई हो और इस बारे में संघ लोक सेवा आयोग के लिए संतोषजनक

प्रतीत होने वाला कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो, तो उसे अनर्ह घोषित कर दिया जाएगा।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को अपने किसी ऐसे प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिले सके कि अधिसूचना के पैरा 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिम्मे उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अधि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि नहीं भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता में सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य ऐसा साक्ष्य भेजना चाहिए जो वह प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस साक्ष्य पर गुणावका के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो, अथवा वह इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है किन्तु उसे सम्बद्ध विद्यालय के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें भी परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी। इन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी यदि वे परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी, और हर हालत में 9 जनवरी, 1976 तक प्रस्तुत नहीं करते हैं तो रद्द कर दी जाएगी।

ऐसे उम्मीदवारों को चाहें वे इस परीक्षा के लिखित भाग में सफल हों या न हों, अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण—उपर्युक्त तारीख तक प्रस्तुत करना होगा। यदि वे इस अनुदेश का

पालन नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी तथा वे अपना परीक्षा-परिणाम जानने के अधिकारी नहीं होंगे।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

*प्रमाणित किया जाता है कि श्री-----सुपुत्र

श्री.....द्वारा संचालित.....
परीक्षा में.....मास, 19.....में
बैठने वाले/बैठ* चुके हैं।

2. **विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज उनकी जन्म की तारीख.....है। इस तारीख की स्थानांतरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी ओर से प्रस्तुत किए गए विवरण* से पुष्टि कर ली गई है।

(प्रिंसिपल/डीन/रजिस्ट्रार* के हस्ताक्षर

तारीख-----

स्थान-----

(कालेज/विश्वविद्यालय/संस्था का नाम)

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

(vi) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(v) माता-पिता के हस्ताक्षर से प्रस्तुत किया जाने वाला प्रमाण-पत्र :—

उम्मीदवार को यह प्रमाण-पत्र आवेदन प्रपत्र के साथ संलग्न फार्म में अपने माता-पिता/अभिभावक से विधिवत् भरवा कर आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। यदि कोई उम्मीदवार आवेदन-पत्र के साथ यह प्रमाण-पत्र भेजने में असमर्थ है तो उसे अपने आवेदन-पत्र में इसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण अवश्य देना चाहिए। ऐसी स्थिति में उसे प्रमाण-पत्र को आवेदन-प्रपत्र से अलग कर लेना चाहिए, और यदि वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो जाता है तो, उसे सेवा चयन बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने पर प्रस्तुत करना चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें इस प्रमाण-पत्र के बिना सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे इस प्रमाण-पत्र के उपलब्ध न होने पर भी आवेदन-पत्र भेजने में किसी भी हालत में विलम्ब न करें।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), 3 (iv) और 3 (v) में लिखे प्रमाण-पत्र आवेदन में से कोई एक न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया हो, तो यह आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 3 (iii) तथा 3 (v) के नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने के लिए निर्धारित अन्तिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के समय उन प्रलेखों में से किसी की भी मूल प्रति दिखाने को कहा जा सकता है जिनकी प्रतिलिपियां उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्राम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जैसा कि नीचे निर्दिष्ट है, जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री.....
.....सुपुत्र श्री.....
.....जो गांव/कस्बा*.....जिला/
मंडल*.....राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र.....
.....के निवासी हैं, जाति/जन-
जाति के हैं, जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनु-
सूचित* जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश 1956*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. _____

और/या उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा*_____

_____जिला/मण्डल*_____

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र_____में रहते हैं।

राज्य _____हस्ताक्षर_____

संघ राज्य क्षेत्र* _____**पदनाम _____
(कार्यालय की मुहर)

स्थान _____

तारीख _____

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट : —यहां "ग्राम तौर से रहते हैं" का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ़ वि पीपुल ऐक्ट, 1950 "की धारा 20 "में है।

**अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी अधिकारी कमिशनर/ऐडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट*/सब-डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

* (प्रथम श्रेणी के स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट से कम श्रेणी का नहीं)

(ii) चीफ़ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडिशनल चीफ़ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

- (iii) रेवेन्यू अफसर जिनको मोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उम दलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (नक्षत्रीय)।

6. (i) उपाबन्ध I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्न-लिखित प्राधिकारियों से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैंप कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) उपाबन्ध-I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाबन्ध-I के पैरा 3 के अंतर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूतावास, रंगून, द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभि-

प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे इंडियन मिलिटरी एकेडेमी में प्रशिक्षण के लिए अपना खर्चन हो जाने के बावजूद अभीष्ट पात्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-पत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी आवश्यक सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर बदल किए गए जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपियों में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण दिया जाए।

9. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकनालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे के बर्हित हो जायेगा।

11. पिछले पांच वर्षों में ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों के संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिनी प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006, के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा अथवा नकद पैसा देकर सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महसूस,

14 जनपथ, बैरक्स 'ए', नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8-के० एम० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ़्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन अभिकर्ताओं से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने दो विनिबन्ध (Monographs) प्रकाशित किये हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है। इन विनिबन्धों को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार उन बुद्धि परीक्षणों से परिचित हो जायें जो सेवाचयन बोर्ड द्वारा लिए जाते हैं।

1. पी० आर० डब्ल्यू० I तथा पी० आर० डब्ल्यू० II वाले बुद्धि-परीक्षण बी० टी० आई० का फलानक।
2. पी० आर० डब्ल्यू० 24 तथा आई० एस० पी० 45 वाले बुद्धि-परीक्षण बी० टी० आई० का फलानक।

ये विनिबन्ध समूह्य प्रकाशन हैं और इनकी बिक्री प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और इन्हें वहाँ से मेल आर्डर द्वारा अथवा नकद पैसा देकर सीधे प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें (i) किताब महल, 14 जनपथ, बैरक्स 'ए' नई दिल्ली (110001) (ii) प्रकाशन शाखा का सैल काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली (110001) और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएँ तथा उनमें नीचे लिखा लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. रोल नंबर (यदि रोल नंबर उम्मीदवार को सूचित नहीं किया गया हो तो उम्मीदवार की जन्म की तारीख)।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ब्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का

परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए।

यदि आयोग द्वारा सेवाचयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए अनुशंसित उम्मीदवार ने परीक्षा के लिये आवेदन-पत्र भेजने के बाद अपने पते में परिवर्तन किया है तो उसे लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद, बदले हुए पते के बारे में सेना मुख्यालय ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली (110022), को भी सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इस आदेश का पालन नहीं करेगा वह, सेवाचयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिये सम्मन प्राप्त न होने पर, अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वर्जित हो जायेगा।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं, किन्तु हम विषय में वे कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकते।

15. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा सेवाचयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए कर दी गई हो उन्हें अपने साक्षात्कार से सम्बद्ध पृष्ठताछ या अनुरोध, यदि कोई हो, सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०), वेस्ट ब्लॉक-3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली (110022), को भेजना चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो, उन्हें इस परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद, विश्वविद्यालय की परीक्षा की तारीखों के बारे में सेना मुख्यालय को सूचित कर देना चाहिए जो, यदि संभव हुआ तो साक्षात्कार की तारीखें निर्धारित करने से पूर्व इस तथ्य पर विचार कर सकता है।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अन्तिम वरीयता सूची में सम्मिलित हों, यदि उनके पहले ही दिये गये पते में कोई परिवर्तन हो तो उन्हें योग्यता-क्रम के समाचार-पत्रों में प्रकाशन के तुरन्त बाद, सेना मुख्यालय आर० टी० बी० 6, (एस० पी०) (ए०) (i) वेस्ट ब्लॉक-3, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली (110022) को अपना नवीनतम पता सूचित करना चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा प्रेषित कार्यभार ग्रहण करने से सम्बद्ध अनुदेश ठीक समय पर उनके पास पहुँच जाएँ। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार ग्रहण करने से सम्बद्ध अनुदेश प्राप्त न होने की पूरी जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th September 1974

No. A-32013/1/74-Admn.I —Shri G. P. Vij, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission *vide* this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated the 10th July, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 23rd August 1974.

2. On his reversion, Shri G. P. Vij resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 23rd August, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I —Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated 22nd July, 1974, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 4th September, 1974.

2. On her reversion Miss S. T. Keswani, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 4th September, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I —Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service *vide* this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated 15th July, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 9th September, 1974.

2. On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 9th September, 1974.

M. R. BHAGWAT,
Under Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi, the 30th September 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. P. Vij, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 4-9-74 to 3-12-74 or till a regular officer joins whichever is earlier.

No. A.32013/1/74-Admn.I —The President is pleased to appoint Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 month with effect from 6-9-1974 to 5-12-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/74-Admn.I —The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 11-9-74 to 10-12-74 or till a regular officer joins whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT,
Under Secy.
Incharge of Admn.
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110001, the 21st September 1974

No. V-31/66-AD V —Shri V. N. Negi, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of his office at Patna on 21-12-73 (A.N.) and assumed charge of the post of S.P., Special Inquiry Agency, Haryana at Chandigarh on 26-12-73 (F.N.).

No. S-12/70-AD.V.—On the expiry of his term of deputation the services of Shri S. K. Dua, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation were placed back at the disposal of Delhi Police with effect from 30-4-1974 (A.N.).

The 1st October 1974

No. PF/K-3/69-AD.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., S.P.F. hereby appoints Shri Krishneshwar Dayal, P.P.C.B.I., S.P.F., Patna on promotion as Sr. P.P. in the C.B.I., S.P.F., the afternoon of the 8th July, 1974 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi, the 20th July 1974

No. O-II-9/74-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri I. M. Mahajan, an I.P.S. officer of Manipur and Tripura Cadre as D.I.G.P. in the C.R.P.F. in a temporary capacity.

2. He took over charge of the post of D.I.G.P. HQrs. in the office of I.G.P. S/II, C.R.P.F. Calcutta on the forenoon of 15th April, 1974.

S. N. MATHUR, Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 3rd October 1974

No. 25/26/74-RG(Ad.I.).—The President is pleased to appoint Shri S. Limu Aier, an officer of the Nagaland Civil Service (Class I), Junior Grade as Deputy Director of Census Operations, Nagaland in a temporary capacity with effect from 9th May 1974 until further orders.

2. The headquarters of Shri Aier will be at Kohima.

R. B. CHARI, Registrar General, India &
ex-officio Joint Secretary.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA
PRADESH-I.

Hyderabad-500004, the 1974

The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri P. Koteswara Rao, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 31-8-74 (T.N.), until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri R. Sundararajan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 31-8-74 (FN), until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri K. Daniel Purushotham, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the

scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 31-8-74 (AN), until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri T. C. Sampath Kumaran a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 31-8-74 (FN), until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. NAGARAJAN, Sr. Dy. Accountant General (Admn).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
COMMERCE WORKS AND MISCELLANEOUS
New Delhi, the 6th September 1974

No. O. O. No. Admn. 1/188 :—I. The following Accounts Officers of this Organization are appointed in a substantive permanent capacity in the Accounts Officers cadre with effect from the dates indicated against each.

| S. No. | Name | Date of appointment in substantive capacity | Vice |
|--------|--------------------------------|---------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|
| 1. | S/Shri V.S. Challapa | 16-3-74 | Due to permanent absorption in Bharat Pumps of Shri H.C. Pandey. |
| 2. | Jagjit Singh | 1-3-74 | Due to retirement of Shri Y.P. Anand. |
| 3. | T.C. Gupta | 1-4-74 | Due to voluntary retirement of Shri H.L. Thapar. |
| 4. | Ranjit Singh | 1-5-74 | Due to retirement of Shri K.N. Kohli. |

II. The dates of confirmations of the following Accounts Officers of this Organizations are antdated as shown against each.

| S. No. | Name | Date of earlier confirmation | Revised date of confirmation | Vice |
|--------|---------------------------------|------------------------------|------------------------------|------------------------------------------------------------------------|
| 1. | S/Shri S. Padmanabhan | 1-12-71 | 1-9-71 | Due to permanent absorption of Shri H.G. Bhatia in Cement Corporation. |
| 2. | K.C. Koshy | 1-1-72 | 1-12-71 | Due to antidation of confirmation of Shri. Padmanabhan |
| 3. | U.S. Gupta | 4-11-72 | 1-1-72 | Due to antidation of confirmation of Shri K.C. Koshy. |
| 4. | A.K. Sen Gupta | 21-6-73 | 4-11-72 | Due to antidation of Confirmation of Shri U.S. Gupta. |

G.N. PATHAK,
ACCOUNTANT GENERAL
COMMERCE WORKS AND MISC.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA
PRADESH—I

Gwalior, the 21st September 1974

No. O.E. 1/2165.—Shri G. R. Katey, a permanent Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Madhya Pradesh-I, Gwalior is permitted to retire from Government Service with effect from the 30th November 1974 afternoon on attaining the age of superannuation on 19-11-1974.

M. M. NARASINGHAM, Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 23rd September 1974

No. 40/74/G.—On attaining the age of 58 years Shri V. V. Subedar, Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st July, 1974 (AN).

The 27th September 1974

No. 43/74/G.—The President is pleased to accept resignation from Shri N. R. Mohanty, Offg. Deputy Manager (Permt. Asstt. Manager), with effect from 25th June, 1971.

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General, Ordnance Fys.

Calcutta, the 24th September 1974.

No. 1/74/A/M :—The undersigned is pleased to appoint the following officers with effect from the date indicated against each until further orders:—

| Sr. No. | Name & Post | Posted at | Date. |
|--------------------------------------------------------------|-------------|-------------------------------------|---------|
| 1. Dr. (Mrs) Chhabi Roy (Saha) Ty Asstt. Surgeon Gr. I. | | Metal & Steel Factory, Ishapore. | 1-8-73 |
| 2. Dr. (Mrs) Gopa Bhattacharjee Ty. Asstt. Surgeon Gr. I. | | Gun & Shell Fy. Cossipore. | 14-9-73 |
| 3. Dr. S.N. Dave, Ty Asstt. Surgeon Gr. I. | | Ordnance Factory, Katni | 20-9-73 |
| 4. Dr. Nurul Amin, Ty. Asstt. Surgeon Gr. I. | | Vehicles Factory, Jabalpur | 24-9-73 |
| 5. Dr. (Miss) S.M. Agarwal Ty. Asstt. Surgeon Gr. I. | | Ordnance Factory, Bhusawal | 6-12-73 |

R.M. MUZUMDAR,
Director General, Ordnance Factories.MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 27th September 1974

No. 17/42/49-Est.I.—On return of Shri P. Das Gupta, Permanent Branch Manager, Films Division, Bombay from leave Shri L. T. Fernandes reverted to his post of Salesman, Films Division, Bombay from the 7th September, 1974 (AN).

M. K. JAIN, Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th September 1974

No. 1-83/74-Estt.I (CGHS).—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Ashok Kasliwal relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (*ad-hoc*), under the Central Govt. Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 1st July, 1974.

No. 1-92/74-Estt.I.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) S. P. Bassi relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the Central Govt. Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 10th July, 1974.

No. 1-36/74-Estt.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Laxman Dass relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (*ad-hoc*) under the Central Govt. Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 3-12-1973.

No. 1-105/74-Estt.I (CGHS).—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Diwakar Mohan relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (*ad-hoc*) under the Central Govt. Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 24th August, 1974.

K. VENUGOPAL,
Deputy Director (Admn.) (CGHS)

New Delhi, the 28th September 1974

No. 12-34/73-CHS.I.—Dr. J. K. Guha, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. assumed charge of the post of Deputy Port Health Officer, Port Health Organisation, Cochin on the afternoon of the 8th August, 1974.

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO
(Civil Construction Wing)

New Delhi-1, the 25th September 1974

No. A-35017/1/73-CWI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri O. P. Garg, an Asstt. Engineer (Civil) in the Central Public Works Department, as Asstt. Engineer (Civil), in the grade of Rs. 650-1200, in the Civil Construction Wing of All India Radio and to post him as Asstt. Surveyor of Works in the Hqrs. office of the Civil Construction Wing with effect from the 17th September, 74 (AN), on deputation for a period of one year in the first instance.

P. A. SOLOMON,
Engineer Officer to C.E. (Civil)
for Director General

New Delhi, the 26th September 1974

No. A-30014/8/70-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri H. N. Patro, Programme Executive, All India Radio, Passighat in a quasi-permanent capacity in that post with effect from the 24th August, 1967.

SHANTI LAL, Deputy Director of Administration
for Director General

6-296Q1/74

No 34-12/73 CHS I—Consequent on his transfer Dr Y K Rastogi, an Officer of the G D O Grade II of the Central Health Service relinquished charge of the post of Junior Medical Officer at the Willingdon Hospital, New Delhi from the afternoon of the 17th July, 1974 and assumed charge in the same capacity under the Central Government Health Scheme Delhi, on the forenoon of the 18th July, 1974

The 1st October 1974

No 34-44/74-CHS I—Consequent on his transfer Dr P K Chawla, an Officer of G D O Grade II of the Central Health Service relinquished charge of the post of Junior Medical Officer under the Central Government Health Scheme Delhi on the afternoon of 3rd September, 1974 and assumed the charge in the same capacity at the Safdarjung Hospital, New Delhi on the forenoon of 4th September, 1974

G PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 30th September 1974

No 49 27/74 Admn I—The President is pleased to appoint Shri M A Sampath Kumaran to the post of Officer on Special Duty in the Food Research and Standardisation Laboratory, Chazibad on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 20th August, 1974 and until further orders

The 2nd Oct 1974

No 12 1/74-Admn I—On attaining the age of superannuation S/Shri B S Puri and K Seshadri Iyengar, Section Officers in the Directorate General of Health Services retired from service with effect from the afternoon of the 30th September 1974

S P JINDAL, Dy Director Administration

DEPARTMENT OF SUPPLY

Directorate General of Supplies and Disposals

ADMN BRANCH A-6

New Delhi, the 26th September 1974

No A 6/247(278)/60/II—Consequent on the acceptance of his resignation from service, Shri S N Parekar relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg) in Grade III, of the Indian Inspection Service, Class I (Engg), Branch in the Bombay Inspection Circle of the Dte General of Supplies & Disposals, with effect from the afternoon of the 31-5-74

No A 6/247(309)/61-II—Consequent on the acceptance of his resignation from service, Shri Y K Bhuchar relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engg) in Grade III of the Indian Inspection Service, Class I (Engg) Branch in the Headquarters of the Directorate General of Supplies & Disposals New Delhi with effect from the afternoon of the 10th April, 1974

The 27th September 1974

No A-6/247(176)/69/III—Shri P L Kathuria, Director of Inspection, Northern Inspection Circle New Delhi under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from service in the afternoon of the 31st August 1974 on attaining the age of superannuation

The 3rd October 1974

No A 17011(73)/74-A 6—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri Rajinder Singh Examiner of Stores (Tex) in the NI Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Tex) in the Bombay Inspecting Circle with effect from the forenoon of 6-9-74, until further orders

S K JOSHI, Dy Director (Admn)

New Delhi the 24th September 1974

No A 17011(72)/74-A 6—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri G Ganasan, Exa-

miner of Stores in the office of the Director of Inspection, Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg) in the office of the Director of Inspection Bombay with effect from the forenoon of the 5-8-74 until further orders

S K JOSHI, Dy Director (Admn)
for Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 28th September 1974

No F 101/28/63--D II—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification (Customs) No GSR 1421 published on 31-8-1963 in the Gazette of India, I hereby authorise the following Officers from the date of issue of this notification to issue Certificate of Grading in respect of Walnuts Shelled and Inshell or both which have been graded in accordance with the provisions of the Inshell and Shelled Walnuts Grading and Marking Rules, 1963 as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937)

1 Shri G S Niranjane—Marketing Officer.

2 Shri K N Ghungrudkar Assistant Marketing Officer.

N K MURALIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 28th September 1974

No 19018/127/74-Admn(G)—The Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri Ram Swarup Koli (a substantive Investigator) and officiating Small Industry Promotion Officer Small Industries Service Institute, Kanpur, to officiate as Assistant Director (Gr II) in Small Industries Service Institute, Kanpur until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Gr II) in the Forenoon of 6th August, 1974.

K V NARAYANAN, Dy Director (Admn)

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION (WATER WING)

New Delhi-22, the 4th October 1974

No A-12017/1/72-Adm V—In continuation of this Commission's notification No A-19012/342/72-Adm V, dated the 5th July, 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri T P Yegnan to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period from 11-9-74 to 31-12-74 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier

No A-32014/7/74-Adm V—The Chairman, Central Water and Power Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of three months from the dates shown below against each or till such time regular officers in the grade become available, whichever is earlier —

1 Shri V Ramanathan—28-8-74

2 Shri I Z Poonawala—28-8-74

3. Smt. Valsala Kumari—28-8-74

4. Shri A. G. Kale—28-8-74.

K. P. B. MENON,

Under Secretary,

for Chairman, C.W. & P. Commission.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 24th September 1974

No. 5/3/73-ECI.—The President is pleased to allow the following Assistant Engineers (Civil & Elect.) to continue to officiate for a further period as Executive Engineer (Civil & Elect) in CES I and CEES I on purely ad-hoc and provisional basis upto 31-12-74 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

CES Class I

1. Shri D. D. Malik
2. Shri B. P. Gupta
3. Shri Khem Chand Gerimal
4. Shri R. D. Mistry
5. Shri V. V. Venkatadhari
6. Shri P. C. Mathur
7. Shri R. C. Govil (5-8-74 i.e. upto the date of his death)
8. Shri M. B. Shivadasani
9. Shri S. G. Chakravarti
10. Shri Kamta Prasad
11. Shri B. R. Mahajan
12. Shri S. C. Goel II
13. Shri S. R. Lahiri
14. Shri Y. P. Wadhera
15. Shri Baldev Suri
16. Shri K. T. Balasubramanian
17. Shri Jaswant Singh
18. Shri L. P. Mukherjee
19. Shri B. M. Ghosh
20. Shri G. G. Ghosh
21. Shri K. K. Barakataki
22. Shri C. R. Dev
23. Shri C. R. Paul
24. Shri D. V. Joshi
25. Shri K. K. Gupta
26. Shri S. C. Biswas
27. Shri P. K. Bose
28. Shri Radhey Lal I
29. Shri P. R. Garg
30. Shri S. Ramamurthy
31. Shri S. M. Airon
32. Shri B. G. Choudhury
33. Shri V. K. Krishnani
34. Shri S. P. Arora
35. Shri Bhagwan Dass I
36. Shri O. P. Sharma II

37. Shri D. S. Goel

38. Shri D. K. Bhowmick

39. Shri C. S. Murthy

40. Shri H. K. Sachdeva

41. Shri S. N. Dandona

42. Shri R. N. Gupta

43. Shri A. C. Bhatia (upto the date of his death on 26-8-74)

44. Shri R. R. Singh

45. Shri B. D. Goyal

46. Shri P. P. Goyal

47. Shri Gurmej Singh

48. Shri B. G. Palsikar

49. Shri C. S. Karnanay

50. Shri H. L. Khazanchi

CEES Class I

1. Shri N. C. Dutta Gupta
2. Shri P. C. Ghosh
3. Shri R. N. Ganguly
4. Shri D. R. Khanna
5. Shri Vishwanath Singh
6. Shri A. K. Dutta
7. Shri P. A. Chawla
8. Shri E. K. Viswanathan
9. Shri J. Chakravarty
10. Shri B. K. Sood.

DHAN RAJ

Dy. Director of Administration

for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 20th September 1974

No. 33/7/71-Admn.IV.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Sinha as Deputy Architect in the Central P.W.D. on the pay of Rs. 700/- p.m. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (Plus usual allowances) with effect from 2-9-74 F.N. on the terms and conditions of service as enumerated in this office letter of even number dated 21-8-1974.

S. S. P. RAU,

Dy. Director of Administration

for Engineer-in-Chief

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th September 1974

No. A19011(95)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Babu George, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to officiate as Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 18th September, 1974, until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY,

Sr. Administrative Officer

for Controller

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 18th September 1974

No. 3(2)/73-74/C.L.B.-II :—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (i) of Clause 5 of the Cotton Textiles (Export Control) Order, 1949, I hereby direct that cloth answering to the description of chees cloth of low density produced from special hard twisted yarn popularly known as handloom crepe for export shall conform to the minimum specifications indicated in the Schedule appended hereto.

SCHEDULE

| | Counts | Ends & Picks | T.P.I. | Weight. |
|---------------------|---------------|--------------|--------|-----------------------------|
| | (Warp & Weft) | | | |
| Grey. | 20s | 36×40 | 35 | 110 grams per Square metre. |
| Processed | 20s | 40s×44 | 35 | 110 grams per square metre. |

This notification shall take effect from 1st. November, 1974.

K. I. NARASIMHAN

Industrial For Advisor

Ex-Official Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 24th September 1974

No. 11705(8).—Shri Dilip Kumar Chakraborty has been appointed on promotion on *ad hoc* basis to officiate in the post of Asstt. Engineer (Electrical) in the Farakka Barrage Project, Govt. of India, Ministry of Irrigation and Power in the forenoon of 29th March 1974 upto this period 30-11-74.

J. N. MONDAL,
General Manager,
Farakka Barrage Project.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 3rd July 1974

No. DPS/A/32011/Est.—The Director, Purchase and Stores appoints Shri Mihir Chandra Roy, a permanent Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer for the following periods :

- (i) from 25-3-1974 to 24-5-1974 *vice* Shri K. Chandrasekharan, Assistant Stores Officer, granted leave.
- (ii) from 27-5-1974 to 12-7-1974 *vice* Shri N. S. Nair, Assistant Stores Officer, granted leave.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anusakti, the 15th July 1974

No. RAPP/04621/74-Adm/R/678.—Shri R. K. Chopra, a quasi-permanent Stenographer officiating Personnel Asstt. in the Rajasthan Atomic Power Project has relinquished charge of the post of Asstt. Personnel Officer held by him on an *ad hoc* basis in a purely temporary officiating capacity in this project on the afternoon of 6-7-74.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (Estt.)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 21st September 1974

No. PA/79(9)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Parulekar Narayan Ganesh, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer II in the same Research Centre, with effect from the forenoon of May 18, 1974, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R)

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 16th September 1974

No. RRC/PF/262/72.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Suchindrum Ramasubaiyer Sambasivan, a permanent Senior Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Senior Stenographer of the Reactor Research Centre to officiate as Assistant Administrative Officer in the same Centre with effect from the forenoon of September 16, 1974 until further orders.

K. CHAKRAVARTHI,
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi-22, the 1st October 1974

No. A.32014/1/74-FC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. Ramamurthy who was officiating as Assistant Technical Officer on *ad hoc* basis in the leave vacancy of Shri O. P. Chhabra, Asstt. Technical Officer at Palam Airport, Delhi, as Assistant Technical Officer

on an *ad hoc* basis at Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 30th August, 1974 F/N until further orders.

2. The Director General of Civil Aviation is also pleased to appoint Shri G. D. Kulkarni, Technical Assistant at Aeronautical Commn. Station, Bombay as Assistant Technical Officer at the same station with effect from the 9th September, 1974 F/N until further orders.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 21st September 1974

No. 1/295/74-EST.—Shri K. K. Swamy, permanent Traffic Accountant, Headquarters Office, Bombay is appointed as Traffic Accounts Officer in an officiating capacity in the same office for the period from 1-6-1974 to 30-9-1974 against short-term vacancies, and with effect from 1-10-1974, and until further orders against a regular vacancy.

The 30th September 1974

No. 10/7/74-EST.—S/Shri R. P. S. Kochhar, Indra Kumar Agrawal and K. P. Varma are appointed as Asstt. Engineers, in a Temporary Capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 3rd September, 1974, the 5th September, 1974 and the 20th September, 1974 respectively, and until further orders.

The 3rd October 1974

No. 1/349/74-EST.—Shri B. G. Pujari, Officiating Technical Assistant, Dhond Branch is appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 25th September, 1974 and until further orders.

P. G. DAMLE,
Director General

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 24th September 1974

No. 10/7(154)/73-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri Chelat Chandran Menon, an officiating Draughtsman 'C' in the Civil Engineering Division, Department of Space, as Scientific Officer/Engineer SB, in the Civil Engineering Division, Department of Space with effect from the forenoon of February 1, 1973 and until further orders.

P. I. U. NAMBIAR,
Administrative Officer
for Chief Engineer

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 30th August 1974

No. 74/74.—Sri J. N. Nigam, Assistant Collector, Central Excise relinquished the charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Agra in the forenoon of 26th April, 1974 and proceeded on 97 days earned leave from 26-4-74 to 31-7-74. Sri Paramatma Saran, Assistant Collector, Central Excise, Aligarh assumed the additional charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Agra in the afternoon of 29th April, 1974.

2. Sri J. N. Nigam, after expiry of his leave assumed the charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Agra in the forenoon of 1-8-74. Sri P. Saran, Assistant Collector Central Excise, Aligarh relinquished the additional charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Agra in the forenoon of 1-8-74.

The 7th September 1974

Establishment Order No. I/A/274/74

In continuation to this office Establishment Order No. I/A/154/74 dated 22-5-74 issued under endorsement C. No. II-125-Et/70/22724 dated 24-5-74 Sri Jagat Narain Nigam, Assistant Collector Central Excise, Agra is granted an extension of 16 days leave from 16-7-74 to 31-7-74, subject to the admissibility of leave being certified by the Accountant General, Uttar Pradesh-II, Allahabad.

2. Certified that Sri J. N. Nigam, Assistant Collector was likely to return and did return to the same post and station from where he proceeded on leave.

3. Certified that Sri Jagat Narain Nigam, would have continued to officiate as Assistant Collector, Central Excise but for proceeding on leave.

K. S. DILIPSINHJI,
Collector

Baroda, the 28th September 1974

No. 14/1974—Shri R. S. Talati, officiating Superintendent, Central Excise, Class-II, Ankjav Range-I, Anand Division has retired on superannuation pension with effect from the afternoon of 30-4-1974. His birth date is 26-4-1916.

No. 15/1974—Shri D. J. Pawar, Permanent Superintendent Central Excise, Class II, M.O.R. 'B' Surat Division has retired on superannuation pension with effect from the afternoon of 31-7-74. His birth date is 5-7-1916.

No. 16/1974—Shri M. S. Koli, Office Superintendent who is appointed to officiate as Administrative Officer, Central Excise, Class II under this office Establishment Order No. 81/74 dated 27-3-74 has assumed the charge of Administrative Officer, Central Excise, Class II on 11-4-74 (afternoon) at Headquarter Office, Baroda.

N. B. SANJANA
Collector

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 20th September 1974

No. 2507/(A).—Shri Prabhakar Yadao Prabhune, Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik Road, appointed on *ad hoc* basis initially for 2 months with effect from 1st June, 1974 and extended up to 30th September, 1974 vide Notification No. 2410/(A) dated the 28th August, 1974 will continue as such on the same terms and conditions up to 31st December, 1974 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI
General Manager

INDIA GOVERNMENT MINT

Calcutta-700053, the 26th September 1974

No. P-157/11072.—Shri R. N. Negoy, permanent Deputy Accountant, India Government Mint, Alipore, Calcutta-53 is appointed as Bullion Registrar in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity for a period of 29 days from 16-9-74 to 14-10-74, *vice* Sri K. S. Subramaniam, permanent Bullion Registrar, granted leave.

D. C. MUKHERJEA
Master of the Mint

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 24th September 1974

No. 18.—Shri S. P. Dass Ghosh, Asstt. Signal & Tele-Communication Engineer of this Railway expired on 23-9-1974.

C. S. PARAMESWARAN
General Manager

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 30th September 1974

No. PB/GG/9/Misc.II.—Shri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Senior Account Officer/Finance (S.S.) (*ad hoc*) has been reverted to Class II service as Assistant Accounts Officer with effect from 3-8-74 (A.N.)

Sri V. NARAYANASWAMY, Officiating Shop Superintendent, Shop-29 (Class III) has been promoted to officiate in Class II as Assistant Works Manager/Elec. with effect from 5-8-1974.

Sri C. SANKARAN, Officiating Welfare Inspector, who has been provisionally empanelled for the post of Assistant Personnel Officer (Class II) has been promoted to officiate as Welfare Officer (Class II) with effect from 9-8-74 to 8-9-74.

Sri A. RAGHAVAN, Officiating Shop Superintendent (Class III) who has been provisionally empanelled for the post of Assistant Mechanical Engineer has been promoted to officiate as Assistant Production Engineer/Progress/Shell with effect from 23-8-1974.

Sri S. ROY CHOWDHURY, Officiating Shop Superintendent (Class III), who has been provisionally empanelled for the post of Assistant Mechanical Engineer has been promoted to officiate in Class II service as Assistant Production Engineer/Planning/Fur with effect from 26-8-1974.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sri Narayana Sugars Private Limited.*

The 26th September 1974

No. DN/4726/560(3)/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Narayana Sugars Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- Illegible
Assistant Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jouhar Publishing Company Private Limited, Tellicherry-1*

Ernakulam, the 24th September 1974

No. 2241/Liq/560/13664/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Jouhar Publishing Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kalpana Theatres Private Limited*

Ernakulam, the 24th September 1974

No. 2251/Liq/560/13661/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kalpana Theatres Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Baby Mills Limited*

Ernakulam, the 18th September 1974

No. 136/Liq/560/13645/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Baby Mills Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mangalodayam Chit Fund P. Ltd.*

Ernakulam, the 18th September 1974

No. 1955/Liq/560/13647/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Mangalodayam Chit Fund P. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Central Travancore Chitty Fund P. Ltd.*

Ernakulam, the 27th September 1974

No. 214/Liq/560/13659/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of The Central Travancore Chitty Fund P. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Colleague Metals P. Ltd., Palluruthy, Cochin-6*

Ernakulam, the 24th September 1974

No. 1923/Liq/560/13643/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Colleague Metals P. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Neo Trading Agency Private Limited, Trivandrum*

Ernakulam, the 24th September 1974

No. 1829/Liq/560/13649/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date thereof the name of Neo Trading Agency Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. S. ANWAR
Registrar of Companies, Kerala, Ernakulam.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kapoor & Kapoor Private Limited*

Delhi, the 27th September 1974

No. 4502/12873.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kapoor & Kapoor Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Himalaya Motor Instalments Private Limited*

Delhi, the 27th September 1974

No. 4269/170/12874.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Himalaya Motor Instalments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
B. S. Committants International Private Limited*

Delhi, the 27th September 1974

No. 4454/171/12876.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the B. S. Committants International Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
India Wireless Service Private Limited*

Delhi, the 27th September 1974

No. 2707/12892.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the India Wireless Service Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Suvina Private Limited*

Delhi, the 27th September 1974

No. 2643/12949.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Suvina Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

MRS. C. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Jaipur Trust Limited

No. Stat/408/7358.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jaipur Trust Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur

DIRECTORATE OF O&M SERVICE (INCOME-TAX)

New Delhi, the 15th July 1974

No 9/7/74-DOMS.—On his transfer from the charge of the Commissioner of Income-tax, West Bengal, Calcutta, Shri R. N. Sahai, Income Tax Officer, (Class II) assumed charge of the office of the Additional Assistant Director, in the Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax), New Delhi, on the forenoon of 15th July, 1974.

H. D. BAHL
Director

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Bombay-400038, the 23rd September 1974

CUSTOMS

No. 9.—Shr Ajit Awasthi is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 31-8-1974 (FN) and until further orders.

M. R. RAMACHANDRAN
Collector of Customs, Bombay

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 30th September 1974

Ref. No. IAC/ACQ/35/74-75.—Whereas, I S. S. Roy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra Nos. 123/1 & 122/1, Mouza Dewai Govindpur, Tehsil & District Chandrapur situated at Chandrapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandrapur on 4-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Shamrao s/o Rajeshwarrao Potdukhe.
 2. Smt. Ushatai w/o Krushrao Hazare.
 3. Shri Moreshwar s/o Jagdishrao Salwe.
 4. Smt. Latabai w/o Chhotubhai Patel.
- (Transferors)
- (2) Shri Radhakrushna Narayanrao Damkondawar.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.29 acres and bearing Khasra Nos. 123/1 and 122/1, at Mouza Dewai Govindpur, P.C. No. 10, Tehsil and District Chandrapur (Maharashtra).

S. S. Roy
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Nagpur,

Date : 30-9-1974.

Seal ;

FORM ITNS—

(2) Sri Protish Chandra Sen *alias* Sri Paritosh Chandra Sen.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 27th September 1974

Ref. No. TR-1565/C-370/Cal-1/73-74.—Whereas I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66 situated at Theatre Road, Calcutta-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer, The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 25-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Dilip Kumar Sarkar,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half portion of demarcated Northern Block being plot 'A' of 66, Theatre Road, P.S. Beniapur, Calcutta-17.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 27-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta, the 21st September 1974

Ref. No. AC-43/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18A, situated at Alipore Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 22-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) The Aluminium Corporation of India Ltd., 7, Council House Street, Calcutta.

(Transferor)

- (2) M/s. Straw Products Limited Jaykaynagar, Rayagada, Orissa.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing an area of 9-cuttahs, 13-chattaks and 36 square feet being a portion of land situated at 18A, Alipore Road, Calcutta.

R. L. BUTANI

Competent Authority,

I.A.C. of Income-tax

Acquisition Range-II,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 21-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th October 1974

Ref. No. TR-1545/C-361/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Loudon Street (now known as U.N. Brahmachari Street) Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-1-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Keshab Chandra Basu 29/1, Ballygunge Circular Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Mrinalini Properties and Mercantile Company Private Ltd.
20, Gariahat Road, Calcutta.
(Transferee)
- (3) 1. Mr. Raphael Silas Elias & Ors.
2. Mr. M. K. Bhimani.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share or part of upper roomed dwelling house with land measuring 1 Bigha 18 Cottabs 11 Chittacks and 14 sft more or less being premises No. 7, Loudon Street (now known as U. N. Brahmachari St), Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax
Acquisition Range-I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 5-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/s. Veerabahu Subramania Pillai, V. Chandran, Ganapathisundaram and Kannappan (Minor).

(Transferor)

(2) S/s M. Arunachala Thevar and Subba Reddiar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 30th September 1974

Ref. No. F.XII/23/1 & 2/1974-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN,
being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos 21 to 25 situated at Palayamkottai, Piranthangulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at JSR I, Palayamkottai on 25-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income if any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—
296GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nanja lands measuring about 4.12½ acres in Survey Nos. 21 to 25 in Piranthangulam, Palayamkottai village, Tirunelveli District.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I,

Madras-6.

Date : 30-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta, the 21st September 1974

Ref. No. AC-42/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 23A/572, situated at Diamond Harbour Rd., Block N, New Alipore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar, Alipore on 25-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Rai Hirendra Nath Chowdhury.
- (2) Sri Rai Hitendra Nath Chowdhury,
of Munshi House, Baranagore, Cal-36.

(Transferor)

(1) Sri Prabir Kumar Sinha

(2) Sri Bijoy Kumar Sinha

(3) Sri Samar Kumar Sinha of 55-B, Pearv Mohan Roy Rd., Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 8.62 cuttahs with partly three storeyed and partly two storeyed building at premises No. 23A/572 Diamond Harbour Road, Block-N, New Alipore, Cal.

R. L. BUTANI

Competent Authority.

I.A.C. of Income-tax.

Acquisition Range-II,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 21-9-1974,

Seal ;

FORM ITNS—

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I.
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th October 1974

Ref. No. TR-1544/C-360/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at London Street (at present known as U. N. Brahmachari Street), Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Uma Sankar Sarkar 20A, Sankaritolia Street, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Minalini Properties & Mercantile Company Private Ltd. 20, Gariahat Road, Calcutta-19.
(Transferee)
- (3) 1. Mr. R. S. Elias & Ors.
2. Mr. M. K. Bhimani.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided on-fourth share or part of upper roomed dwelling house with land measuring 1 Bigha 18 Cottahs 11 Chittacks and 14 sq. ft. more or less at premises No. 7, Loudon Street, (now known as U. N. Brahmachari Street) Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
I.A.C. of Income-Tax,
Acquisition Range-I
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 5-10-1974.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta, the 23rd September 1974

Ref. No. AC-44/R-II/Cal/74-75.—Whereas I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 30-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd., 33, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Sri Gindharilal Amttillal Maniar, 8A, Alipore Road, Calcutta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the requisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14A at 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. L. BUTANI

Competent Authority

I.A.C. of Income-Tax,

Acquisition Range-II,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 23-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th October 1974

Ref. No. TR-1566/C-371/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances 5, Govt. Place North, Calcutta on 24-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sovana Gupta.

(Transferor)

(2) M/s. Ruby Construction Co.

(Transferee)

(3) 1. Shri D. S. Bhalla.

2. Voltas Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Brick built dwelling house, together with 1 Bigha, 13 Cottas and 5½ chatkaks of land being premises No. 16, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority.

I.A.C. of Income-tax,

Acquisition Range-I,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 5-10-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th October 1974

Ref. No. TR-1543-C-359/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Loudon Street (Now known as Dr. U. N. Brahmachari Street) Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Registrar of Assurances 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sm. Arati Sarkar.

(Transferor)

(2) Mrinalini Properties and Mercantile Company (P) Ltd.

(Transferee)

- (3) 1. R. S. Elias & Ors.,
2. M. K. Bhimani.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4 Share or Part of upper roomed dwelling house with land measuring 1 Bigha 18 Cottahs 11 Chittacks and 14 sq. ft. More or less at premises No. 7 Loudon Street, (now known as U. N. Brahmachari Street) Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

I.A.C. of Income-Tax,

Acquisition Range-I,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 5-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shankarlal S/o Shri Chhogalal Agarwal, (2) Shri Gopaldas S/o Shriram Agrawal, (3) Shri Ramesh-chandra S/o Shri Durgaprasad Agarwal of Mhow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 3rd October 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bungalow No. 121, Simrol Road, Mhow (Ward No. 5), situated at Mhow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mhow on 9-1-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manak S/o Late Shri D. M. Parakh of Bombay Panth Ki Bag, Andhari East, Bombay.
- (2) Smt. Goolbai Parakh W/o Late Shri N. M. Parakh, 4/48 Wadia Bag, Parel Tank Road, Bombay.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 121 Simrol Road, Mhow-Single Storied admeasuring 2-08 acres in area.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bhopal.

Date : 3-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 3rd October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Estate Area, Block No. 48 E with shed made on it, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-1-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) M/s Chemical Construction Company, 48 E Laxmi Bai Industrial Estate, Kila Maldan, Indore (Through its partners).

(Transferor)

(2) Shri Moolchand S/o Amulmalji Dev, C/o M/s Pack-N-Print Products, 48-E, Fort, Industrial Estate, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Area Block No. 48 E including shed made on it Indore.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 3-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) G. K. Buty, Sitabuldi, Nagpur, Maharashtra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 3rd October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Part of Plot No 4 measuring 22915 sq ft. Block No. 23, South Civil Lines, Jabalpur situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 30-1-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Ramesh Sethi, S/o Shri D. N. Sethi 2. Smt. Asha Sethi wife of Shri Madanlal Sethi, all R/o Civil Lines, Jabalpur.

(Transferee),

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 4 measuring 22915 sq. ft. Block No. 23, South Civil Lines, Jabalpur.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bhopal.

Date : 3-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Chandraprakash Pahwa, Mahendra Pradar
Pahwa Sons of Late Malharam Pahwa, 533 Marhatal
Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 3rd October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F.
Munshi,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearingNo. Part of plot No. 4 measuring 22968 sq. ft. Block No. 23,
South Civil Lines, Jabalpur, situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on 30-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
nameiy :—(1) Shri G. K. Buty, Sitabuldy, Nagpur, Maharashtra
(Transferor)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable prop-
erty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 4 measuring 22968 sq. ft. Block No. 23,
South Civil Lines, Jabalpur.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bhopal.

Date : 3-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Burn & Co. Ltd.
12, Mission Row,
Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Balbant Singh,
S/o Sardar Panjab Singh,
of Raniganj, P. S. Raniganj,
Dt. Burdwan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-1, the 28th September 1974

Ref. No. AC-48/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. L. Butari, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 2950, 2951, 2956, 2952, 2695, 2951/5227, 2956/5228, 2695/5231 & 2950/3006, situated at Mouza-Raniganj Municipality, J.L. 24, P. S. Raniganj Dt. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Raniganj on 17-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9.771 acres, bearing Plot Nos. 2950, 2951, 2956, 2695, 2952, 2951/5227, 2956/5228, 2695/5231 & 2950/3006 of Kh. Nos. 886, 2564, 944, and 2625 in Mouza-Raniganj Municipality, J.L. No. 24, P. S. Raniganj, Dt. Burdwan.

R. L. BUTANI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range II,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 28-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Satnam Singh S/o Late Sh. Hukam Singh R-128, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranbir Singh S/o Shri Satnam Singh R-128, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I

NEW DELHI, the 8th October 1974

Ref No. IAC/ACQ. I/SR. III/May.I/96 (22)/74-75.—
Whereas I, D. B Lal,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. R-128 situated at Greater
Kailash-I, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi on 10-5-1974,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the transferor(s) and the
transferee(s) has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or their assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building built on a plot of land measuring 300
sq. yds. bearing No. R-128 situated at Greater Kailash-I,
New Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. R-130
West : Plot No. R-126
North : Service Lane
South : Road.

D. B. LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 7th October 1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1974

Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-28 (½ undivided share) situated at Greater Kailash-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhavnesh Datta Makhija S/o Sh. Mohan Lal Makhija, of Indore C/o Sh. Triloki Nath Makhija, 81, Adarsh Nagar, Narbada Road, Jabalpur (M.P.).
(Transferor)
- (2) Shri Triloki Nath Makhija S/o Sh. Mohan Lal Makhija, 81 Adarsh Nagar, Narbada Road, Jabalpur (M.P.).
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share (undivided) of land being plot No. 28 Block No. 'W' measuring 250 sq. yds. in residential colony known as Greater Kailash-I situated at Village Yakat Pur in the Union Territory of Delhi and is bounded as under :—

East : Road
West : Lane
North : Plot No. W-26
South : Plot No. W-30.

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-10-1974.
Seal :

FORM ITNS(1) **Shri Arun Kumar Sarpal** S/o Sh. Dev Raj 5A/9,
Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.**

New Delhi, the 8th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ. I/SR.III/July.I/229 (26)/74-75/
3119.—Whereas I. D. B. Lal,
being the Competent Authority under Section
269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have
reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1 undivided share of Plot No. S-508 situated at Greater
Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred as per deed
registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 9-7-1974.

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the
object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely:—

(2) **M/s. R. S. Gulati & Son (HUF)** through its Karta
Shri R. S. Gulati S/o Sh. Narsingh Gulati, R/o
S-166, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any of the person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of plot bearing No. S-508 in Block
'S' measuring 500 sq. yds. situated in the residential colony
known as Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as
under:

East : Road
West : Service Lane
North : House No. S-506
South : House No. S-510

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Anil Gulati S/o Sh. R. S. Gulati (2) Smt. Nirmal Gulati W/o Sh. Anil Gulati residents of S-166 Greater Kailash-I, N. Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 8th October 1974

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/July.II/228(25)/74-75/8119—Whereas I, D. B. Lal, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 undivided share of S-508 situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Delhi on 8-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Anil Kumar Sarpal S/o Sh. Dev Raj 5A/9, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of plot bearing plot No. S-508 in Block 'S' measuring 500 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-I, New Delhi and is bounded as under :—

East : Road
West : Service Lane
South : House No. 510
North : House No. S-506.

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 7-10-1974.

Seal :

FORM NO. JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1974.

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR/III/July.I/240(41)74-75/3119.
—Whereas, I, D. B. Lal,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
M-34 situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred as per deed registered under the Indian Regis-
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-
tering Officer at
Delhi on 16-7-1974 for an
apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between that the consideration for such transfer as agreed to
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
transferor to pay tax under the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

(1) Shri Baldev Raj Sawhney S/o Sh. Dewan Chand
Sawhney, R/o M-87, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Bhagat Ram Dhalla S/o Latt Sh. Boota Ram
Dhalla & Smt. Shanti Devi Dhalla W/o Sh. Bhagat
Ram Dhalla, R/o S-361, Greater Kailash, New
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to
the objection, if any, made in response to this notice against
the acquisition of the immovable property will be fixed, and
notice thereof shall be given to every person who has made
such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph shall
have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing No. 34 in Block 'M' measur-
ing 510 sq. yds. situated in the residential colony known as
Greater Kailash-I, New Delhi in the revenue state of village
Yakutpur in the Union Territory of Delhi and bounded as
under :—

East : Plot No. 36.
West : Road.
North : Road.
South : S. Road.

D. B. LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-10-1974.

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/April.I/21(22)74-75/3119.
—Whereas, I, D. B. Lal,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
R-6A situated at Green Park Extension, New Delhi
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 12-4-1974,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons namely :—

- (1) Shri Adishwar Kumar Jain S/o Sh. S. P. Jain R/o
House No. 2218, Gali Hanuman Prasad, Masjid
Khazoor, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Avinash C. Anand S/o Sh. Tek Chand Anand
Z-21, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)
- (3) (1) Dr. R. K. Samyal of National Institute of
Family Planning (2) M/s Jainsons Traders through
Sh. S. C. Jain (3) Sh. Rajesh Kumar Jain all
R/o 6-A, Green Park Exten, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and
notice thereof shall be given to every person who has made
such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 storeyed building built on a plot of land measuring
242 sq. yds. bearing No. 6A Block No. 'R' situated at
Green Park Extension, New Delhi and bounded as under :—

East : House No. R-7.
West : House No. R-6.
South : Service Lane.

D. B. LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-10-1974

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ.I/3119.—Whereas, I. D. B. Lal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing XVI/10597 (½ undivided share) situated at Plot No. 14 Block No. 13, W. E. A. Karol Bagh, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Daya Chand & Sh. Subhash Chand sons of Sh. Jai Karan Dass R/o 13/14 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Dhanwanti Devi D/o Sh. Khattar Mal W/o Sh. Motan Dass R/o H. No. 237 Gali No. 8 Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi, now at XVI/10597 Plot No. 14 Block No. 13 W.E.A. Karol Bagh, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern half portion of the property No. XVI/10597 on Plot No. 14 Block No. 13 measuring 138 sq. yds. out of total area of 276 sq. yds. in W.E.A. Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

North : Other portions sold to Sh. Nand Singh & Iqbal Singh.

South : Gali.

East : Kothi No. 15 Block No. 13.

West : Gali & Park.

D. B. LAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-10-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta-1, the 30th September 1974

Ref. No. TR-1537/C-353/Cal-I/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at Dalhousie Square, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at The Registrar of Assurances, No. 5, Govt. Place North, Calcutta on 15-1-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) The Hong Kong & Shanghai Banking Corporation, 31, Dalhousie Square, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Mercantile Bank Limited, No. 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.
(Transferee)
- (3) (1) Burmah-Shell Oil Storage & Distributing Company of India Ltd. (2) William Jacks & Co. Ltd. (3) Poddar Services Ltd. (4) United Commercial Bank.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A brick built building at Premises No. 31, Dalhousie Square, Calcutta containing an area of 1 Bigha, 12 Cottahs, 1 Chittack and 16 Sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 30-9-74.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD MADRAS-6.

Madras-6, the 8th October 1974

Ref. No. F. IX/2/273/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/30, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR.I, Madras on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri M. Murugesu Naicker & others, 1, 1st Link St., C.I.T. Colony, Madras-4. (Transferor)

- (2) Shri B. V. Raju, S/o B. V. N. Raju, Kumudavalli, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt., Andhra Pradesh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in written to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in the vacant land measuring about 2 grounds and 1896 sq. ft. at No. 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras.

Date : 8th October, 1974.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. Murugesu Naicker & others, 1, 1st Link St., C.I.T. Colony, Madras-4. (Transferor)

(2) Miss K. Haritha (Minor) by guardian, Shri K. Satyanarayana Raju, Dalmiapuram, Trichy Dt. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th October 1974

Ref. No. F. IX/2/272/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/30, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of JSR.II, Madras on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in the vacant land measuring about 2 grounds and 1896 sq. ft. at No. 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 8th October, 1974.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 8th October 1974

Ref. No. F. IX/3/279/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/30, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras on January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker & 2. Shri M. Thirunavukarasu, No. 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Madras-4, and 3. Shri T. Govindaswamy, 62-B, Mowbrays Road, Abiramapuram, 4th St., Alwarpet, Madras-18. (Transferor)

- (2) 1. Dr. K. S. N. Raju & K. Ramavathy, 20/38, Dr. Rangachari Rd., 2. Shri K. Sathyanarayana Raju, K. Usha Rani & K. Hari Mds.-4, the, 20/3B, Dr. Rangachari Rd., Mds-4. 3. Shri N. Krishna Prasad Raju & Smt. N. Shoba Rani, 20/3B, Dr. Rangachari Rd., Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 2 grounds and 1896 sq. ft. at 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-1,
MADRAS-6.

Date : 8th October, 1974.

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 8th October 1974

Ref. No. Acq/80/KNP/73-74/1863.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122/236-E situated at F. W. Area, Fazal Ganj, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Kanpur on 31-1-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
296GI/74—10

(1) Sri Jagat Narain S/O Sri Surajbali, Smt. Anarkali D/O Surajbali, Smt. Bimla Devi D/O Sri Suraj Bali Ram, Smt. Shyama Devi Wd/O Suraj Bali Ram, Chandra Bali Ram S/O Sumeram and Uma Devi Wd/O Sheo Kumar, 85/40, Cooperganj, Kanpur.
(Transferees)

(2) S. Yashpal Singh, S. Preetam Singh and S. Jasvir Singh S/O S. Gyan Singh; and Smt. Sumitra Devi W/O S. Gyan Singh, R/O 105/702, Alandbagh, Kanpur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (vacant land) Plot No. 22/236—Part-E, F.W. Area, 1836 Sq. yds. situated at Fazal Ganj, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 42,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-10-74.

Seal :

FORM ITNS-----

4. Smt. Lakshmi w/o Chhotubhai Patel.
(Transferors)(2) Shri Kadoak ushna Narayanrao Damkondawar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 30th September 1974

Ref. No. IAC/ACQ/35/74-75.—Whereas, I S. S. Roy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khassra Nos. 123/1 & 122/1, Mouza Dewar Govindpur, Tehsil & District Chandrapur situated at Chandrapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandrapur on 4-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby announce proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shamrao s/o Rajeshwarrao Potlukhe,
2. Smt. Usharani w/o Krushnao Hazare,
3. Shri Moreshwar s/o Jagdishrao Jalwe.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice to the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.22 acres and bearing Khassra Nos. 123/1 and 122/1 at Mouza Dewar Govindpur, P.C. No. 10, Tehsil and District Chandrapur (Maharashtra).

S. S. Roy

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Nagpur.

Date : 30.9.1974.

Sent

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICENATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
MAY, 1975

New Delhi, the 26th October 1974

No. F.8/3/74-El(B)—An examination for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the National Defence Academy for the 55th Course commencing in January, 1976 will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, COIMBATUR, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM, commencing on the 20th May, 1975 in accordance with the Notification No. 21, dated 10-1-74 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India dated the 26th October, 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED TO THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 162 for the Army, 33 for the Navy and 55 for the Air Force.

These numbers are liable to alteration.

3. A candidate must be an unmarried male and must have been born not earlier than 2nd July, 1957 and not later than 1st January, 1960. These age limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below :—

- (i) Headquarters, Bengal Area, Calcutta/Delhi Area, Delhi Cantt./Punjab, Haryana and Himachal Pradesh Area, Ambala Cantt./Uttar Pradesh Area, Bareilly/Madhya Pradesh, Bihar and Orissa Area, Jabalpur/Maharashtra and Gujarat Area, Bombay/Tamilnadu, Karnataka and Kerala Area St. Thomas Mount 101 Comm. Area c/o 99 A.P.O.
- (ii) Headquarters, Allahabad Sub-Area, Allahabad/Bombay Sub-Area, Bombay/Lucknow Sub-Area, Lucknow/Meerut Sub-Area Meerut/PUNE Sub-Area, PUNE/Calcutta Sub-Area, Calcutta/MP Sub-Area, Bhopal/Jalandhar Sub-Area Jalandhar/Karnataka Sub-Area, Bangalore/Andhra Sub-Area Secunderabad/Bihar and Orissa Sub-Area, Dinapore/Ambala Sub-Area, Ambala/Dehra Dun Sub-Area, Dehra Dun/Tamilnadu and Kerala Sub-Area Madras/North Bengal Sub-Area/21 Sub-Area/31, 41 & 51 Sub-Area/HQ 61 Indep Sub-Area.
- (iii) Station Headquarters Bengdubi Bardogra (WB), Pathankot, Srinagar (J&K), Dharma Nagar, Assam, Gauhati and Jaipur (Raj.)
- (iv) All recruiting offices
- (v) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command, Bombay.
- (vi) Flag Officer Commanding, Southern Naval Area, Cochin.
- (vii) The Flag Officer, Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Vishakhapatnam.

- (viii) The Naval Officer-in-Charge, Calcutta.
- (ix) The Naval Officer-in-Charge, Goa.
- (x) The Naval Officer-in-Charge, Madras.
- (xi) The Naval Officer-in-Charge, Andaman & Nicobar.
- (xii) The Naval Officer-in-Charge, Kathiawar.
- (xiii) Air HQ (Personnel Officer 3), New Delhi.
- (xiv) All National Cadet Corps Units.

Air Force Recruiting Officers —

- (a) C/o Air Force Station, New Delhi-3.
- (b) 48, Mansfield Road, Ambala Cantt.
- (c) Mukherjee Camp, Kanpur Cantt.
- (d) West Bengal Zone, OASIS, No. 3, NSC, Bose Road, P.O. Regent Park, Calcutta-40.
- (e) Niranjan Building (4th Floor), 99, Marine Lines (West), Opposite Marine Lines Rly. Station Bombay-2.
- (f) Air Force Station, Tambaram (Madras).
- (g) No. 1 Cubbon Road, Bangalore-1.
- (h) Assam Zone, Uzan Bazar, Gauhati.
- (i) Anugrah Narain Path, Kadam Kaun, New Area Patna-3.
- (j) Old Pali Road, Jodhpur.
- (k) Air Force Station, Begumpet, Secunderabad.
- (l) Air Force Recruiting Office, Bhubaneswar.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION, MAY, 1975 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION, MAY, 1975 WILL NOT BE ENTERAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011, on or before the 23rd December, 1974, (6th January, 1975 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 23rd December, 1974), accompanied by necessary documents. No Application received after the prescribed date will be considered.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

Note.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above, must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid*.

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPHS 2 AND 3 OF ANNEXURE I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

9. If any candidate who took the examination held in May, 1975 or who is taking the Examination to be held in December, 1974, for entry to the National Defence Aca-

demey wishes to apply for admission to the examination notified here he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of admission to the National Defence Academy. If he is recommended for admission to the Academy on the results of May, 1974, Examination or December 1974 Examination his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination, vide para 4 of Annexure I.

M. S. PRUTHI,
Dy. Secy

Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.,

- (i) they are studying in the Military Schools (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

3. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

4. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below paragraph 8 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provision of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in the manner indicated in para-4 of the Notice. Before filling in the application form, the

Candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2(i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman Nicobar Islands, or in Lakshadweep from a date prior to 23rd December 1974.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, or as a work-charged employee, other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

A candidate employed in Army, Navy or Air Force must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

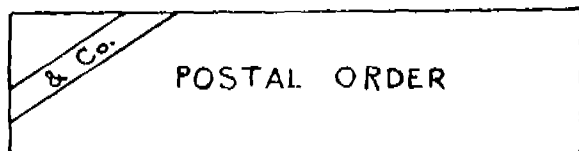
- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Certificate to be signed by the parent/guardian of a minor candidate.
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 5 below).

- (vii) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1975 CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL, AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (v) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 5 and 6 :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—



and completed as follows :—

“Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office”.

In no case will Postal Orders payable at any other post office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

NOTE.—A candidate residing abroad at the time of submitting his application may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be in that country who should be asked to credit the amount to the account head “051. Public Service Commission—Examination Fees”. The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of birth or his exact age as accorded in the Admission Register of the institution.

If a candidate is unable to submit an attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate with his application, he must give a reasonable explanation for its absence. Such a candidate should further submit, along with his application an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed under the Note below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the institution from where he appeared at the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent examination, showing his age/date of birth as recorded in the Admission Register of the institution. The candidate will be required to submit an attested/certified copy of his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate as soon as possible. He will be disqualified if later on it is found that the date of birth claimed by him in the application differs from that entered in his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent certificate, unless the discrepancy is explained to the satisfaction of the Union Public Service Commission.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application may be rejected.

NOTE.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 8 of the Notification. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate, who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result, or who intends to appear at such a qualifying examination may apply for admission to this examination, but he must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Headmaster/Principal of the School concerned. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 9th January, 1976.

Such candidates are required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above date whether they qualify or not at the written part of the examination. If they fail to comply with this instruction, their candidature will be cancelled, and they will not be entitled to know their result.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

"This is to certify that Shri.....
son of Shri..... is expected to
appear/has appeared" at
Examination conducted by
..... in the month of
..... 19.....

*(2) His date of birth as recorded in the Admission Register of this School is This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his admission to the School.

(Signature of Principal/Dean/Registrar)*
(Name of the College/University/Institution)

Date.....

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front side by the candidate.

(v) *Certificate to be signed by the Parent.*—A candidate should submit this certificate on the form enclosed with the application form, duly completed by his parent/guardian, along with the application. If a candidate is unable to submit this certificate with his application he must give a reasonable explanation for its absence with his application. In that case, he should detach the certificate from the application form and produce it at the time of his appearance before the Services Selection Board, in case he qualifies on the results of the written part of the examination.

Candidates MUST note that they will not be admitted to the Services Selection Board interview without this certificate.

Candidates are warned that they should in no case delay submission of the application for want of this certificate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in the Note under-paragraph 3(iii) and in paragraph 3(v) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. Candidates may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the original of any documents, copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested & certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri.....
son of of Village*/town
in District*/Division of the State*/Union
Territory of belongs to the Caste*/
Tribe which is recognised as a Scheduled
Caste*/Scheduled Tribe under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists. (Modification) Order 1956 read with the Bombay Reorganisation Act 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966.*

the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri and*/or his family
ordinarily reside(s) in Village*/Town
of District*/Division of the State*/
Union Territory of
State

Union Territory

Place.....

Date.....

Signature.....

**Designation.....
(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camp in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of the Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been selected for training at the National Defence Academy.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise temper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of the application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with his provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12—296GI/74

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examination are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath Barracks A, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published two monographs as mentioned below. The purpose of publishing these monographs is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Board:—

(1) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW I and PRW II.

(2) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW 24 and ISP 45.

The monographs are priced publications and are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath Barracks 'A' New Delhi-110001 (ii) Sale counter of the Publications Branch Udyog Bhawan New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

1. NAME OF EXAMINATION.

2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. *Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 13 above.*

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION, NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH, RTG. 6(SP) (a).

WEST BLOCK 3 WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THE INSTRUCTIONS WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

15. *Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, Rtg. 6(SP)(a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishna Puram, New Delhi-110022.*

Candidates who have to appear for any university examination should immediately after the announcement of the result of the written examination intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible take this into considerations before fixing the dates of interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ Rtg. 6(SP) (a)(1), West Block 3, R. K. Puram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the news papers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility for non-receipt of the joining instructions will rest with the candidates.